समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• मार्च-अप्रैल २०२३ • वर्ष ७४ • अंक ३-४

मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

श्री शिवकुमार लोहिया होंगे सम्मेलन के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष

उत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, कानपुर के आतिथ्य में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की बैठक में नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया को पुष्पहार पहनाकर बधाई देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ, राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका, पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री कमल नोपानी, दिल्ली प्रांतीय अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया, बिहार पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री निर्मल कुमार झुंझुनवाला, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के वरिष्ठ सदस्य श्री भागचंद पोद्दार एवं श्रीमती सुषमा अग्रवाल।

बधाई !

पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के नव-निर्वाचित अध्यक्ष श्री कैलाश चंद काबरा

इस अंक में

संपादकीय

नारी: आत्मविकास से स्वावलंबन की ओर

अध्यक्षीय

मायड़ भाषा री उडीक

रपट

अखिल भारतीय समिति की बैठक

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक

प्रादेशिक समाचार

दिल्ली, मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, पूर्वोत्तर, कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्कल, नेपाल

सम्मेलन का २७वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन १३-१४ मई २०२३

स्थानः गुवाहाटी (असम), कार्यक्रम विवरण पेज ६ पर

Rungta Office, Nagar Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand- 833201
Email - tmtsales@rungtasteel.com

समाज विकास

◆ मार्च-अप्रैल २०२३ ◆ वर्ष ७४ ◆ अंक ३-४
◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **संपादकीय : शिव कुमार लोहिया**	४-५
नारीः आत्मविकास से स्वावलंबन की ओर	
● **अध्यक्षीय : गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया**	७
मायड़ भाषा री उडीक	
● **रपट –**	
राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक	८
अखिल भारतीय समिति की बैठक	९-१०
आभार....	११-१२
बिहार अधिवेशन	१३-१४
पूर्वोत्तर अधिवेशन	१५
● **प्रादेशिक समाचार**	
बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, पूर्वोत्तर, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, नेपाल, कर्नाटक, दिल्ली, तमिलनाडु उत्कल	१६-२५
समाचार सार	२६,२९
● **आलेख**	
सामाजिक कार्यों में सेवा समर्पण	३०
गुरुदेव री गीतांजलि रो	३१
● **विविध**	
कविताः होली आई ये, होली	३२
पुस्तक समीक्षाः सरलादेवी-एक सशक्त महिला	३३
● **देव-स्तुति :** डॉ. जुगल किशोर सर्राफ	३४

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७
फोन : ०३३-४००४ ४०८९

पंजीकृत कार्यालय : १५२बी (द्वितीय तल), महात्मा गांधी रोड कोलकाता - ७००००७

◆ email: aimf1935@gmail.com
◆ Website : www.marwarisammelan.in

स्वत्वाधिकारी ऑल इण्डिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **श्री भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा ◆ संपादक : शिव कुमार लोहिया

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

स्वागत-सम्मान

गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया जी का सम्मान गणेश जी की रजत प्रतिमा से

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया जी का सम्मान श्री ओम प्रकाश पोद्दार जी (बेंगलुरु निवासी) के दांपत्य जीवन के स्वर्ण जयंती (वर्षगाँठ) के उपलक्ष्य में कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा स्मृति चिह्न स्वरूप श्री गणेश जी की रजत प्रतिमा भेंट कर किया गया।

पूर्वोत्तर प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा जी के प्रथम बार कोलकाता आगमन पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के केंद्रीय कार्यालय में स्वागत करते सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ जी, राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका जी, नव-निर्वाचित अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया जी एवं सूचना तकनीक एवं वेबसाईट उपसमिति के चेयरमैन श्री कैलाशपति तोदी जी।

दिल्ली पहुँचे सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय कुमार हरलालका जी का स्वागत करते दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारीगण।

संपादकीय

८ मार्च : अंतरराष्ट्रीय नारी दिवस

नारी: आत्मविकास से स्वावलंबन की ओर

जनवरी २०२२ में उत्तरी इटली के एक प्रमुख चौराहे पर उल्लेखनीय पुरुष हस्तियों को समर्पित ७८ मूर्तियाँ जहाँ पहले से स्थापित थीं; वहाँ दुनिया की पहली १६६८ में इटली के 'पडुया विश्वविद्यालय' से दर्शनशास्त्र में पीएचडी की डिग्री हासिल करने वाली एलेना लूक्रोजिया करनारो पिसोपिया की मूर्ति स्थापित करने को लेकर कुछ हलकों में विरोध हुआ। हालाँकि फरवरी २०२२ में उनकी मूर्ति लगाने का प्रस्ताव पारित हो गया और उनकी मूर्ति लग भी गई। उन्हें उनके समय में उनके पसंदीदा विषय धर्मशास्त्र को पढ़ने की अनुमति नहीं दी गई थी, बाद में उन्हें अध्यापन करने की भी अनुमति नहीं दी गई। स्त्रियों के लिए इस प्रकार की घटना कोई नई बात नहीं रही है। हमारे देश में भी स्त्रियों को अनेक प्रकार की असमानता और यातानाएं भोगनी पड़ती हैं। अभी भी कुछ सुधार के बावजूद स्थिति संतोषजनक नहीं है। प्राप्त आकड़ों के अनुसार आज प्रति १ मिनट में एक महिला घरेलू हिंसा, प्रति २ मिनट में शारीरिक छेड़छाड़, प्रति ५ मिनट में कार्यालयीन पुरुष-महिला भेदभाव, प्रति १० मिनट में बलात्कार, हत्या जैसे जघन्य अपराध का शिकार होती है। इस परिप्रेक्ष्य में यह उल्लेखनीय है कि यह आकड़ा उन अपराधों का है जो दर्ज किए या करवाए जाते हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वास्तविक स्थिति क्या हो सकती है।

आज के भारत में घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना, तलाक की घटनाओं में वृद्धि हो रही है। छेड़छाड़, यौन हिंसा और शारीरिक अत्याचार की समस्याएं बड़ी तेजी से बढ़ रही हैं। ग्रामीण महिलाओं की भी अपनी मजबूरी और समस्याएं हैं। इनमें से प्रमुख हैः अपने अधिकारों के प्रति सजग न होना, बाल विवाह, कुपोषण, शारीरिक श्रम के साथ-साथ कई देशों में धर्म एवं अन्य कुंठाओं के नाम पर उन्हें विकास की खुली हवा में विचरण करने नहीं देना। अफगानिस्तान की महिला रजिया मुरादी पिछले तीन वर्षों से दक्षिण गुजरात के वीर नर्मद विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रही हैं। हाल ही में रजिया मुरादी ने एम.ए. सार्वजनिक प्रशासन में गोल्ड मेडल हासिल किया है। इस अवसर पर रजिया कहती हैं कि "मैं तालिबान से कहना चाहती हूँ कि महिलाओं को अवसर मिले तो वे किसी भी क्षेत्र में महारत हासिल कर सकती हैं।" अब रजिया पीएचडी कर रही हैं। अफगानिस्तान में बच्चियों को शिक्षा के अवसर से दूर रखा जा रहा है।

प्राचीन काल में हमारे देश में दृष्टांत मिलते हैं जिससे पता चलता है कि महिलाओं का मानसिक एवं सामाजिक विकास पुरुषों से कम नहीं था। उनका जीवन आत्मविश्वास से भरा होता था एवं मानसिक रूप से वे किसी पर आश्रित नहीं रहती थी। जबाला के एक पुत्र जिसका नाम सत्यकाम था। जब वह शिक्षा ग्रहण करने के लिए शिक्षक के पास गया तो उससे उसके पिता का नाम पूछा गया, वह अपनी माँ के पास आया और पिता का नाम पूछा। उसकी माँ ने उसे साफ-साफ कह दिया कि उसके कई प्रेमी रहे हैं, इसलिए वह कह नहीं सकती कि तुम्हारा पिता कौन है। अपने शिक्षक को कह दो कि तुम जबाला के पुत्र हो। माँ का परिचय देने वाली महिला आज समाज में कितनी मिलेंगी। एक अन्य महिला मैत्रेयी याज्ञवल्क्य से दर्शनशास्त्र पढ़ना चाहती थीं। उसने उनसे विवाह किया, ताकि शिक्षक शिष्य का संबंध बनाना सरल हो जाए। एक दिन याज्ञवल्क्य ने अपनी पत्नियों को बुलाया और कहा कि परमात्मा को पाने के लिए मैं दुनिया को त्याग रहा हूँ। अपनी संपत्ति मैं तुम लोगों में बाँटना चाहता हूँ। उनकी पहली पत्नी कात्यायनी ने अपना हिस्सा ले लिया। मैत्रेयी ने उनसे पूछा कि क्या तुम्हारी संपत्ति वह सब दे सकेगा जिसके संधान में तुम जा रहे हो। जब उत्तर में 'नहीं' मिला तो मैत्रेयी ने उनसे कहा कि उसे उनकी संपत्ति नहीं चाहिए। वह भी मोक्ष प्राप्ति के लिए दुनिया का त्याग करेगी। याज्ञवल्क्य ने कहा कि यह तो बहुत कठिन है। तब मैत्रेयी ने कहा कि जब तुमने मुझे त्याग दिया है, तब तुम मेरे बारे में निर्णय कैसे ले सकते हो? वर्तमान में कितनी महिला इस प्रकार का स्वतंत्र निर्णय लेकर अपने गंतव्य को प्राप्त करने का साहस रखती हैं? एक अन्य महिला सांडिली एक संत थीं, उसने घोर तपस्या करके अनेक प्रकार के गुण हासिल कर लिए थे। एक बार गबाला ऋषि और विष्णु के वाहन गरुड़ किसी कार्य से कहीं जाते हुए रास्ते में सांडिली के आश्रम के पास रुके। संत ने उन दोनों का अतिथि आदर-सत्कार किया। दूसरे दिन जब वे नींद से उठे तो गरुड़ के पंख शरीर से अलग हो गए थे। सांडिली ने देखा और गरुड़ से पूछा क्या तुमने इस आश्रम के विषय में कुछ बुरा सोचा था? गरुड़ ने कहा नहीं-नहीं, मैंने तो सोचा था कि यह जगह ब्रह्मा, विष्णु, महेश के साथ स्वर्ग में होना चाहिए था। सांडिली ने कहा कि मैं अपने महानता के लिए किसी के साथ भी नहीं जुड़ना चाहती, चाहे वह मनुष्य हो या देवता। मैं, सिर्फ मैं हूँ, मैं मुझसे बनी हूँ। यह सोचना कि मैं कहीं और की हूँ, यह मेरे लिए अपमान सूचक है। मैं, वहीं की हूँ, जहाँ मैं हूँ। किसी महिला को इस तरह बदनाम मत करो। संत सांडिली का अपना मापदंड था। आज कितनी महिलाओं

में इतना आत्मविश्वास रहता है? सैद्धांतिक तौर पर हमारे यहाँ स्त्री अधिकतर निर्विवाद रही हैं। गीता (१०,३४) में स्वयं भगवान श्री कृष्ण ने कहा है कि "स्त्रियों के गुणों में मैं कीर्ति, समृद्धि, मधुर वाणी, स्मृति, बुद्धि, साहस और क्षण हूँ।" उन्होंने उन गुणों का उल्लेख किया है जो स्त्रियों को गौरवशाली बनाते हैं। हमारी कथाओं में सशक्त नारी चरित्र का चित्रण मिलता है। वैदिककाल की महिला दार्शनिक, बुद्धिजीवी एवं निपुण हुआ करती थीं।

आज देश में लड़कियों के सामने दो बड़ी समस्याएं हैं: पहला है कि बच्चियों के भ्रूण को ही नष्ट कर दिया जाता है। दूसरा शिक्षा के क्षेत्र में विशेषकर गाँवों की लड़कियां पिछड़ रही हैं। शिक्षा में समान अवसर देना इस दिशा में आवश्यक है। आज उसे शिक्षा प्राप्त होगा तो वह विवाह सही उम्र में करेगी। घर में उसकी अधिक सुनी जाएगी। उसके प्रति घर में हिंसा की संभावना कम हो जाएगी। विश्व में अभी भी १३० मिलीयन लड़कियाँ शिक्षा से वंचित हैं। यूनिसेफ की रपट के अनुसार १० से १९ वर्ष की गरीब घर की लड़कियों में एक तिहाई ने कभी विद्यालय का मुँह नहीं देखा है। इसके अनेक कारण हैं, जिसमें मुख्य है: घर के आस-पास विद्यालय का न होना, सुरक्षित यातायात सुविधा का अभाव। साथ ही विद्यालय जाते समय या विद्यालय में यौन हिंसा, अभी भी बच्चियों के लिए अभिशाप बना हुआ है। इस कारण बहुत सी बच्चियाँ विद्यालय छोड़ने को मजबूर हो जाती हैं। घर में भी उसे अपने भाईयों की तुलना में नीचा या हीन समझा जाता है। अक्सर घर की सुविधाओं पर पहला अधिकार लड़कों का होता है। जिसे घर की लड़कियाँ देखती हैं और महसूस करती हैं। इस कारण प्रारंभ से ही उनमें हीन भावना घर कर जाती है, जिसे निकालना बहुत कठिन होता है। घर में लड़की यह भी देखती है कि उसकी माँ की बातों को घर में कम महत्व दिया जाता है। उसकी माँ के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार नहीं किया जाता। शारीरिक तौर पर पुरुष अधिक शक्तिशाली होते हैं, किंतु आज के युग में सफलता के लिए शारीरिक शक्ति का अधिक होना आवश्यक नहीं है। घर में घरेलू कार्य करने का दायित्व समान रूप से पुरुष व महिला दोनों का है। घर के फैसलों में महिलाओं का समान हक होना चाहिए। महिलाओं के सम्मान, शिक्षा और सुरक्षा को लेकर पूरी दुनिया में ८ मार्च को एक साथ 'महिला दिवस' मनाया जाता है। यह अब नारा अधिक एवं कार्यक्रम कम रह गया है। प्रत्येक दिन महिला दिवस है। एक दिन इसका पालन कर हम अपने दायित्व की इतिश्री नहीं कर सकते। आज स्त्री की क्षमता, मेधा, प्रज्ञा का आंकलन कम, अपितु उसके देह पिंड पर अधिक ध्यान दिया जाता है। नारियों की समस्याएं सिर्फ नारी की नहीं, बल्कि पूरे समाज की समस्या है। विश्व की आधी आबादी को हम अगर उपेक्षित एवं प्रताड़ित रखेंगे तो पूरे समाज को इसका खामियाजा झेलना पड़ेगा। पुरुषों को अपनी मानसिकता में बदलाव से अधिक स्वयं नारियों को अपनी मानसिकता में बदलाव लाना जरूरी है। उनमें आत्मविश्वास जगाना होगा। आत्मविश्वास जागृत होने पर वे स्त्री-पुरुष, एक-दूसरे के प्रतियोगी की जगह एक-दूसरे के सहयोगी बन नए समाज का गठन कर सकेंगे।

समाज में महिलाओं को लेकर कुछ रूढ़ियाँ हैं, जिसे हमें निकालकर फेंक देने की बहुत जरूरत है जैसे -

१. अगर महिला के साथ छेड़छाड़ होता है तो निश्चय ही उसने ही इसका निमंत्रण दिया होगा। इसके लिए उसका भड़काऊ पहनावा जिम्मेदार है। २. अगर वह अपने मन का करती है तो उसे स्वार्थी कहा जाता है। ३. अगर वह अपने आजीविका पर ध्यान देती है तो उसे घमंडी मानते हैं। ४. अगर वह घर के काम नहीं करती तो उसका उपहास किया जाता है।

पश्चिमी देशों के नारी सशक्तिकरण का जो रास्ता है, उस पर चलकर भारतीय नारी अपनी मंजिल नहीं पा सकती, हमारे संस्कार एवं संस्कृति सर्वश्रेष्ठ हैं। उन हदों में रहकर हमें हमारी नारी सशक्तिकरण की यात्रा पूरी करनी होगी।

आचार्य तुलसी ने नारियों के मानसिक बदलाव के लिए कुछ बिदुओं पर अपना मत दिया था जिनपर हमें विचार करना चाहिए :

१. महिला अपने संपूर्ण व्यक्तित्व की स्वामिनी बनें।

२. महिला का चरित्र इतना साफ सुथरा उज्ज्वल और पारदर्शी हो कि उससे पूरा जीवन प्रतिबिंबित हो सके।

३. गाँव और ढांणी में रहने वाली महिलाएं परदे में न रहें।

४. एक महिला दूसरी महिला के प्रति उदार, सहिष्णु, संवेदनशील और सहयोगी बनें। कम से कम उसके विकास में बाधा न पहुँचाए।

५. महिला अपने मौलिक गुण सहिष्णुता, विनयता और मृदुता को विकसित करती हुई, अपने पर होने वाले अन्याय का प्रतिकार करे।

६. प्रदर्शन और अंधानुकरण की दौड़ से अलग रहकर महिला अपनी सृजन चेतना को जगाए।

७. घर की दीवारों से बाहर पहचान बनाने की तड़प से पहले महिला अपने घर में अपनी अस्मिता स्थापित करे और कृतित्व को उजागर करे।

हमें इस बात का स्मरण रखना चाहिए कि स्त्री अनेकों ऐसे काम कर सकती है जो पुरुष नहीं कर सकते। विद्या, बुद्धि, विवेक में वह पुरुषों से किसी भी प्रकार से कम नहीं है, बल्कि सहिष्णुता एवं सहनशक्ति स्त्री के ऐसे गुण हैं जो महिलाओं में नैसर्गिक रूप से पाए जाते हैं। अतः पुरुष या महिला एक दूसरे से प्रतियोगिता न कर स्वयं से प्रतियोगिता करें, समय की यह मांग है।

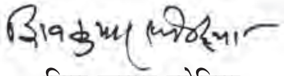

शिव कुमार लोहिया

ESTD. 1935 Telephone : +91-33-40044089 Website : marwarisammelan.in E-mail : aimf1935@gmail.com

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
ALL INDIA MARWARI FEDERATION
(Regd. under W.B. Societies act XXVI of 1961)

४बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला), ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता-७०० ०१७
4B, Duckback House (4th Floor), 41, Shakespeare Sarani, Kolkata - 700 017

२७वाँ राष्ट्रीय अधिवेशन
शनिवार-रविवार
१३-१४ मई २०२३, गुवाहाटी (असम)

-आतिथ्य-
पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन

13.04.2023

-: अधिवेशन स्थल :-

तेरापंथ धर्मस्थल

एस.एस. रोड (4 नम्बर गेट के पास)
फैंसी बाजार, गुवाहाटी, असम

-: कार्यक्रम :-

शनिवार, १३ मई २०२३

दोपहर, ०१.०० बजे : मध्याह्न भोज
अपराह्न २.०० बजे से : पंजीकरण
अपराह्न २.३० बजे : विषय निर्वाचनी समिति की बैठक
(सिर्फ प्रतिनिधि सदस्यों के लिये)
शाम ३.३० बजे : संस्कार हमारी विरासत पर संगोष्ठी
शाम ५.०० बजे : हाई टी
शाम ६.०० बजे : पुरस्कार वितरण व अभिनन्दन समारोह
रात्रि ८.०० बजे से : सांस्कृतिक कार्यक्रम
रात्रि ८.३० से १०.०० बजे : रात्रि भोज एवं विश्राम

-: कार्यक्रम :-

रविवार, १४ मई २०२३

प्रातः ८.०० से १०.०० बजे : पंजीकरण एवं अल्पाहार
प्रातः ०९.४५ बजेः झण्डोत्तोलन एवं दिवंगत पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों की फोटो पर श्रद्धांजलि
प्रातः १०.१५ बजेः उद्घाटन समारोह
दोपहर १ से २ बजे : मध्याह्न भोज
दोपहर २ बजे से : खुला सत्र एवं समापन समारोह
शाम ५.०० बजे : चाय-नाश्ता, प्रस्थान (सुविधानुसार)

विशेष : पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से बाहर से आने वाले सदस्यों के लिये आवास आदि की व्यवस्था शनिवार, १३ मई २०२३ को प्रातः से रविवार, १४ मई २०२३ तक तेरापंथ धर्मस्थल में ही की गई है, जहाँ वातानुकूलित कमरे, संलग्न अंग्रेजी शौचालय तथा लिफ्ट की व्यवस्था है। जो सदस्य होटल में ठहरना चाहते हों, उनसे निवेदन है कि वे इसकी सूचना पूर्व में ही देने की कृपा करें, ताकि उनको आतिथ्य प्रांत द्वारा अधिवेशन के लिए रियायती दर पर निर्धारित होटल की सूची भेजी जा सके। प्रांत द्वारा प्रतिनिधि शुल्क ११००/- रुपये प्रति व्यक्ति निश्चित किया गया है, जो कि पंजीकरण के दौरान लिया जायेगा। आवास-आतिथ्य सत्कार की सुविधा हेतु ३० अप्रैल २०२३ तक सम्मेलन कार्यालय (मोबाईलः 86973 17557, E-mail : aimf1935@gmail.com) को सूचना अवश्य देने का सादर अनुरोध है।

स्थानीय जानकारी के लिये कृपया पूर्वोत्तर प्रांत के महामंत्री श्री विनोद जी लोहिया (मोबाईलः 94351 06500, 76700 06500) तथा गुवाहाटी शाखा के सचिव श्री शंकर बिरला (मोबाईल : 94350 41055, 60021 56256) से सम्पर्क करने का निवेदन है।

प्रस्तावित सम्मेलन भवन : 25ए, राजा राममोहन राय सरणी (अम्हर्स्ट स्ट्रीट), कोलकाता-700 009

मायड़ भाषा री उडीक

– गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया

घणी घणी खम्मा, राम राम सा।

आप सगला आप आप क डील डाल को ख्याल राखियो। मौसम बदल रियो है। होली री भी राम राम सा। होली रो त्यौंहार रंग गुलाल स सरोवर होकर खूब आनंद स मणायो होसी।

३० मार्च राजस्थान दिवस है। यो दिन आपणी मायड़ भासा अर आपणी कला संस्कृति की मोकली याद दिरावै है। ७५ साल देश न आजाद होयां होग्या। पर हाल तांई आपणी मायड़ भासा संविधान की आठवीं सूची म सामिल कोनी हो पाई है। या आपणै समाज और आपणै राजनेतावां की कमजोरी है। १२ करोड़ लोगां री मायड़ भासा न मान्यता नहीं मिलै, या घोर ताज्जुब की बात है। हाल तांई खाली झूठा आस्वासन मिलता रह्या है। राजस्थान सरकार नै विधानसभा की सारी कार्रवाई तो राजस्थानी मां करणी ही चाये। आपरा पत्र व्योहार भी मायड़ भासा माय ही करणा चाये। उस कागद क सागै हिन्दी री कापी लगा देणी चाये।

बार-बार या बात उठे कि आपाणै आपणै घरां म मायड़ भाषा म ही बात करणी चाहे। पण यो हाल तानी संभव कोनी हो पा रह्यो। कोई भी टाबर टीकर, लुगायां आज की टेम म राजस्थानी म बात करणै म पिछड़ोपण महसूस करै है, कारण उणानै मायड़ भासा री महता री जानकारी कोणी। राजस्थानी किती सुदृढ़ हैं. अर ईरो सब्दकोस कितो विसाल है, ई की ठा ही कोनी। ई वास्तै अब दूसरों विकल्प खोजणी पड़ैगो। अब सम्मेलन नै ही कुछ करणौ पड़ैगो।

सम्मेलन की जितनी भी साखा है उणानै सलाह दी जावै कि आपकै अठे बै म्हीनै दो म्हीनै म कोई सांस्कृतिक कार्यक्रम राखै। ईमाय गीत, संगीत, कविता, चुटकुला सै राजस्थानी म ही होवै। सारो संचालन भी राजस्थानी म ही होवै। कवि सम्मेलन भी करया जा सकै है। वह भी पूरो राजस्थानी म। विचार गोष्ठियां रो आयोजन करै। उसमैं कोई भी विषय देकर लोगां से उणाका मत मांग्या जावै। सै वक्ता भी आपकी बात राजस्थानी म ही राखै। पूरे राजस्थानी समाज नै न्युतो दियो जावै। मरद, लुगायां, टावर, टिकर सै आवै। राजस्थानी म छोटा छोटा नाटका मंचन हुवै। उस जगह का कलाकार ही इण नाटकां म भाग लेवै।

राजस्थानी म कुछ पत्रिका छपै है। सम्मेलन पत्रिका नै मंगवा कर पीडीएफ फाइल से सै साखां नै भेजै तथा शाखा आपकै सै सदस्यां नै वितरित कर देवै। इण सब बातां सै भोत फरक पड़ैगो। राजस्थानी भाषा के कठिन शब्दां की डिक्शनरी बनाकर सम्मेलन सब जगह वितरित करै। समाज विकास पत्रिका के लिए सदस्यां स अपील करी जावै कि वे राजस्थानी मे छापणै सारू सामग्री भेजै। ई बाबत समाज विकास पत्रिका म चार पन्ना रिजर्व कर देना चाहे। इस तरह स मायड़ राजस्थानी भाषा को मकलो प्रचार होसी।

राजस्थानी भासा की टीवी पर एक चैनल भी आपकी हो जावै जिसमैं सवेरे से लेकर शाम तक राजस्थानी म ही सारा कार्यक्रम आवै। सुझाव तो और भी हो सकै है पर एकबार इतनो भी काम हो जावै तो जाणियो गढ़ लंका जीतली।

राजस्थानी भाषा साहित्य संस्कृति की एक सक्रिय समिति गठित करी जावै जो ई विषय पर घणै मनोयोग स काम करै। निश्चित ही ई तरह स मायड़ भाषा को प्रचार-प्रसार खूब होसी और धीरे-धीरे लोग घरां म भी मायड़ भासा बोलणै लागसी।

परोपकार, सेवा, बड़ेरा को मान-सम्मान आपणी संस्कृति होया करती थी बी म भी मोकली गिरावट आयगी है आ आपणै लिए चिंता की बात है। सम्मेलन की शाखा जब सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करै तब इसके साथ-साथ राजस्थानी खानपान तथा कलाकृति का स्टाल भी लगावै। राजस्थानी साहित्य का स्टाल भी लगाया जा सकै।

मेरै कार्यकाल म सभा री कारवाई काफी कुछ मायड़ भासा म होणी सुरु होई। इन दिना मिटिंग की सूचना हिंदी क सागै सागै राजस्थानी म भी जाणै लागी। संगठन न मजबूत करणै क काम म मैं ज्यादा उलझो रह्यो। ई कारण मायड़ भासा क लिए म भोत कुछ कोनी कर सक्यो। १९ मार्च २०२३ न उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन क आथित्य में ई सत्र की पांचवीं अखिल भारतीय समिति एवं आठवीं कार्यकारिणी समिति की बैठक हुई। कानपुर का लोगां न भोत चोखी खातरदारी करी, दूसरा प्रांता का भी मोकला भाई आया, सगला न धन्यवाद।

"भोत खुशी की बात है कि दो बार राष्ट्रीय महामंत्री रियैड़ा एवं समाज विकास का संपादक श्री शिवकुमार जी लोहिया सगला की एक राय से आगलै सत्र के लिए अध्यक्ष निर्वाचित होया है। श्री लोहिया जी न मोकली मोकली बधाई। श्री शिवकुमार जी लोहिया नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बणैगा। उणाकी साहित्य म रुचि भी है। मैं उम्मीद करूं हूं कि इस विषय पर बै विशेष ध्यान देवैगा। राजस्थान की मायड़ भाषा म शेखावाटी की बोली ज्यादा सरल है अरलोगां क जल्दी समझ में आवैगी। मायड़भाषा, कला, संस्कृति, पहनावो, खानपान इण सबको सम्मान आपणों अपणो सम्मान है। म पेली बार आपणी बोली म लिखनै की चेस्टा कर रियो हूँ, गलती माफ करियो।

गोजिया खाली होगी, गाबा सै आला होगा, बिरखा बरसी जोरां सै, टापरा गिला होगा।

गोजिया - जेब, पाकिट, गाबा - कपडा, आला - गीला

टापरा - घर
आप सबां नै एक बार ओरूं राम राम।
जय राष्ट्र, जय समाज!!

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक

मारवाड़ी का मतलब शौर्य, सेवा और विश्वसनीयताः सतीश महाना

मारवाड़ी का मतलब है शौर्य, मारवाड़ी का मतलब है समाज की सेवा, मारवाड़ी का मतलब है अपने घर से कटौती कर दूसरे की सेवा करना, मारवाड़ी का मतलब है विश्वसनीयता, जिसे बरकरार रखना है। उक्त विचार है, कानपुर से लगातार ९ बार विधायक तथा उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री सतीश महाना के, जो बतौर प्रधान अतिथि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में पधारे थे। बैठक का आयोजन उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में कानपुर स्थित श्री महाराजा अग्रसेन भवन में किया गया था।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने कहा कि मारवाड़ी समाज की पहचान सेवाभावी के रूप में आदिकाल से रही है। आज भी पूरे देश में मारवाड़ियों द्वारा भारी पैमाने पर सेवा कार्य किया जाता है। उन्होंने कहा कि "हमारे समाज की जो भी संस्थाएँ सेवा कार्य करती हैं, उन्हें अपने बैनर में नीचे 'मारवाड़ी समाज की एक संस्था' अवश्य लिखना चाहिए, ताकि हमारे द्वारा की जा रही सेवा की जानकारी अन्य समाज के लोगों तक भी पहुँचे।"

राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने बैठक की शुरुआत करते हुए विगत कार्यकलापों की जानकारी सबके समक्ष रखते हुए सामाजिक संगठनों में कार्यकर्ताओं की अवहेलना का मुद्दा उठाया तथा इस पर चिंता जाहिर की।

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने कहा कि "सम्मेलन पूरे भारत में विशाल रूप ले चुका है। भारतवर्ष में कुल ७०० जिले हैं, इनमें से हमें कम से कम ३०० जिलों में अपनी पहुँच बनानी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज-सुधार के साथ-साथ हमें सेवा के क्षेत्र में भी कार्य करना होगा, जैसे लायंस क्लब ने आँख, तो रोटरी क्लब ने पोलियो रोग को दूर करने के क्षेत्र में काम किया।

आगे श्री सराफ ने कहा कि वर्तमान सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया जी के नेतृत्व में राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका एवं अन्य पदाधिकारियों ने सभी क्षेत्रों में सराहनीय कार्य किया और सम्मेलन को नई ऊँचाई प्रदान की है। उपस्थित सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि के साथ इसका स्वागत और अनुमोदन किया।

इस मौके पर कर्नाटक प्रादेशिक अध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल, बिहार अध्यक्ष श्री युगल किशोर अग्रवाल, उत्तराखंड अध्यक्ष श्री संतोष खेतान तथा महामंत्री श्री संजय जाजोदिया, मध्य प्रदेश अध्यक्ष श्री विजय कुमार संकलेचा, आंध्र प्रदेश अध्यक्ष श्री चांदमल अग्रवाल तथा महामंत्री श्री पोद्देश्वर पुरोहित, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया, बिहार प्रदेश के निवर्तमान अध्यक्ष श्री महेश जालान, पूर्व अध्यक्ष सर्वश्री रमेश केजरीवाल, कमल नोपानी, निर्मल झुनझुनवाला, बिनोद तोदी, पूर्वोत्तर के पूर्व अध्यक्ष श्री मधु सूदन सिकरिया, मध्यप्रदेश के पूर्व अध्यक्ष श्री कमलेश नाहटा, उत्तरखंड के पूर्व अध्यक्ष श्री रंजीत जालान, झारखंड के पूर्व अध्यक्ष श्री भागचंद पोद्दार सहित डॉ. सावर धनानिया, श्री पवन बंसल, श्रीमती सुषमा अग्रवाल सहित अन्यों ने अपने-अपने विचार रखे। मौके पर आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से उत्तराखंड में मारवाड़ी सम्मेलन के नाम से बन रहे, एक स्कूल के लिए ५१ हजार रुपये बतौर सहयोग के तौर पर देने की घोषणा की।

संरक्षक सदस्य से विशिष्ट संरक्षक सदस्य बनाने की अवधि ३१ मार्च तक थी, उसे १५ मई तक बढ़ाया गया। जो अखिल भारतवर्षीय समिति में प्रस्ताव पारित हुए उनको अनुमोदित किया गया।

बैठक में पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाश पति तोदी, श्री ओम प्रकाश प्रणव, श्री चंडी प्रसाद डालमिया, श्री ओम प्रकाश टिबडेवाल, श्री मनोज चंदगोठिया, श्री सज्जन बेरीवाला, श्री श्याम सुंदर भरतिया, श्री विष्णु शर्मा, श्री विष्णु पोद्दार, श्री प्रदीप केडिया, श्री सज्जन शर्मा, श्री रमेश बजाज, श्री राजेश कुमार पोद्दार, श्री मनोज अग्रवाल, श्री संदीप सेकसरिया, श्री श्याम सुंदर टिबड़ेवाल सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

बैठक के शुभारंभ में उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष श्री श्रीगोपाल तुलस्यान, महामंत्री टीकम चंद सेठिया, कोषाध्यक्ष आदित्य पोद्दार, संयोजक ओम प्रकाश अग्रवाल, प्रचार मंत्री विनीता अग्रवाल, संयुक्त महामंत्री प्रदीप केडिया, महेंद्र कुमार लड़िया ने पूरे देश से आए राष्ट्रीय-प्रादेशिक पदाधिकारियों एवं सदस्यों का माला-दुपट्टा तथा ममेंटो प्रदान कर स्वागत किया। सर्वश्री रामकृष्ण जिंदल, कैलाश अग्रवाल, अशोक धनावत, राजेश अग्रवाल, अनिरुद्ध पोद्दार, धनपत जैन, बालकृष्ण देवड़ा आदि ने सभी का स्वागत किया। अंत में धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने दिया।

अखिल भारतीय समिति की बैठक कानपुर में संपन्न

शिव कुमार लोहिया आगामी सत्र के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित

अ.भा. मारवाड़ी सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की बैठक का दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ, राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष श्री श्रीगोपाल तुलस्यान, श्री शिव कुमार लोहिया व अन्य।

अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन की सर्वोच्च नीति निर्धारक अखिल भारतीय समिति की बैठक उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में श्री महाराज अग्रसेन भवन, कानपुर में आयोजित की गई। बैठक में सहायक चुनाव अधिकारी एडवोकेट प्रदीप जीवराजका एवं केदार नाथ गुप्ता ने राष्ट्रीय कार्यकारिणी द्वारा नियुक्त चुनाव अधिकारी एडवोकेट नंदलाल सिंघानिया द्वारा कार्यकारिणी से प्रदत्त अधिकार के तहत बनाई गई चुनाव नियमावली तथा संविधान के तहत संपन्न हुए चुनाव के आधार पर श्री शिव कुमार लोहिया को आगामी सत्र (२०२३-२५) के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। सहायक चुनाव अधिकारी ने बताया कि संविधान की १५(१) के अनुसार प्रांतीय अध्यक्षों से नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम प्रस्तावित करने के लिए कहा गया। श्री विवेक गुप्त के नाम का प्रस्ताव तीन प्रांतों ने एवं श्री शिव कुमार लोहिया के नाम का प्रस्ताव १२ प्रांतों ने किया। दोनों अध्यक्षीय उम्मीदवार के लिए योग्य पात्र थे। श्री शिव कुमार लोहिया ने चुनाव की उम्मीदवारी के लिए अपनी सहमति दी, पर श्री विवेक गुप्त जी ने अपनी सहमति नहीं दी, अतः श्री लोहिया निर्विरोध निर्वाचित

हुए हैं।

दीप प्रज्ज्वलन के साथ बैठक की शुरुआत करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने कहा कि अभी हमने अंधेरे से प्रकाश की ओर जाने के लिए दीप प्रज्ज्वलन किया है। उत्तर प्रदेश में संगठन विस्तार की अपार संभावना व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर प्रयास करना होगा, तभी हमें सफलता मिलेगी।

पूर्व विधायक व एमएलसी सलिल विश्नोई ने कहा कि "यूपी का कानपुर कभी 'मैनचेस्टर ऑफ ईस्ट' के नाम से जाना जाता था, पर आज स्थिति बदल गई है। उद्योग, व्यापार को बढ़ाने के लिए मारवाड़ी समाज को आगे आना होगा। हमें एक बार फिर एकजुट होकर कानपुर को नई ऊंचाइयों पर ले जाना होगा। गुजरातियों की तरह हमें भी अपने सहयोगियों को बढ़ाना होगा तभी समाज और सम्मेलन आगे बढ़ेगा।"

सम्मेलन के नव-निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया ने कहा कि संस्थापकों की दूर दृष्टि, निष्ठा, लगन प्रेरणास्पद एवं अनुकरणीय है। इस संस्था का ध्येय वाक्य – 'म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति' ही बहुत कुछ कह देती है। हमारे संस्थापक अध्यक्ष ने सम्मेलन की स्थापना के उद्देश्यों का अत्यंत ही सुंदर शब्दों में व्याख्या की थी। मैं उन्हें दोहराता हूँ –

हमें समाज के विभिन्न अंगों के साथ सामंजस्य एवं समन्वय कर एक स्वर, एक लक्ष्य लेकर आगे बढ़ने का पुरजोर प्रयास करना चाहिए। हमारा मंत्र होना चाहिए, 'आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज'।

निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री संतोष सराफ ने कहा कि "सम्मेलन पूरे भारत में विशाल रूप ले चुका है। जैसे चार दिशाएँ होती हैं, उसी तरह आज चारों दिशाओं से सम्मेलन के प्रतिनिधि उपस्थित हुए हैं। आगे उन्होंने कहा कि समाज सुधार सम्मेलन का उद्देश्य रहा है और यह निरंतर चलते रहने वाली प्रक्रिया है, यह सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य था, है और रहेगा। समाज सुधार, समरसता, संस्कार संवर्धन एवं सेवा सम्मेलन की प्राथमिकता रहनी चाहिए; यह प्रस्ताव सर्व सहमति से पारित हुआ।

आगे श्री सराफ ने कहा कि वर्तमान सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया जी के नेतृत्व में राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका एवं अन्य पदाधिकारियों ने सभी क्षेत्रों में सराहनीय कार्य किया और सम्मेलन को नई ऊँचाई प्रदान की है। उपस्थित सभी सदस्यों ने करतल ध्वनि के साथ इसका स्वागत और अनुमोदन किया।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने बैठक की शुरुआत करते हुए विगत कार्यकलापों की जानकारी सबके समक्ष रखी, साथ ही सम्मेलन पर हुए मामले की जानकारी देते हुए कानूनी पक्ष को सबके सामने रखा।

१८ मार्च को होने वाली बैठकों के सुनिश्चित होने के बाद सम्मेलन और उसके पदाधिकारियों को माननीय कलकत्ता उच्च न्यायालय से नोटिस प्राप्त हुआ। वकील साहब से जानकारी लेने पर ज्ञात हुआ कि सम्मेलन के एक सदस्य श्री मनमोहन गाड़ोदिया ने एक केस फाइल किया है। केस (C S No. 37/2023) जिसमें सम्मेलन और उसके पदाधिकारियों के ऊपर कई तरह के आरोप लगाए गए हैं। ऐसी स्थिति में हालांकि कोर्ट का कोई स्टे ऑर्डर नहीं मिला था, फिर भी अति सावधानी के लिए वकील साहब से

इस बारे में राय माँगी गई। उनकी राय १८ मार्च २०२३ को मिली और तदनुसार आज की कार्यवाही की गई।

उपस्थित सदस्यों को बैठक के आरंभ में ही उपर्युक्त जानकारी दी गई। कई सदस्यों ने मुकदमेबाजी पर अपना क्षोभ प्रकट करते हुए निंदा और भर्त्सना की एवं उपर्युक्त केस करने वालों पर उचित कार्रवाई करने का प्रस्ताव भी दिया। इस पर श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया एवं पूर्व अध्यक्षों ने यह कहकर इस विषय पर चर्चा को स्थगित कर दिया कि जब कोर्ट में केस पेंडिंग है तब इस विषय पर चर्चा करना उचित नहीं होगा। उत्तेजित सदस्यों के शांत होने के बाद सभा की पूर्व सुनिश्चित कार्यवाही की गई। न्यायालय में इस वाद में सम्मेलन का पक्ष रखने एवं सभी आवश्यक कार्यवाही हेतु महामंत्री श्री संजय हरलालका को अधिकृत किया गया। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि इस मुकदमें का पूरा व्यय अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन वहन करेगा।

डॉ. सांवरमल धनानिया जी ने पश्चिम बंग प्रा. मा. स. की तदर्थ समिति का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी तदर्थ समिति शीघ्र बनाई जानी चाहिए। अध्यक्ष ने सहमति व्यक्त करते हुए शीघ्र तदर्थ समिति बनाने का आश्वासन दिया। संरक्षक सदस्यों को तीस हजार की राशि केंद्रीय कार्यालय को देकर विशिष्ट संरक्षक सदस्य बनाने की सुविधा जो ३० मार्च २०२३ तक थी, उसको एक महीना बढ़ाकर ३० अप्रैल २०२३ तक किया गया।

बैठक में पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाश पति तोदी, कर्नाटक प्रादेशिक अध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल, बिहार अध्यक्ष श्री युगल किशोर अग्रवाल, उत्तराखंड अध्यक्ष श्री संतोष खेतान तथा महामंत्री श्री संजय जाजोदिया, मध्य प्रदेश अध्यक्ष श्री विजय कुमार संकलेचा, आंध्र प्रदेश अध्यक्ष श्री चांदमल अग्रवाल तथा महामंत्री श्री पोडेश्वर पुरोहित, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया, बिहार प्रदेश के निवर्तमान अध्यक्ष श्री महेश जालान, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष सर्वश्री कमल नोपानी, निर्मल झुनझुनवाला, बिनोद तोदी, पूर्वोत्तर के पूर्व अध्यक्ष श्री मधुसूदन सिकरिया, मध्यप्रदेश के पूर्व अध्यक्ष श्री कमलेश नाहटा, उत्तराखंड के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री रंजीत जालान, झारखंड के सम्माननीय वरिष्ठ श्री भागचंद पोद्दार सहित श्री ओम प्रकाश प्रणव, श्री चंडी प्रसाद डालमिया, डॉ. सावर धनानिया, श्री ओम प्रकाश टिबडेवाल, श्री पवन बंसल, श्री मनोज चंदगोठिया, श्री सज्जन बेरीवाला, श्री श्याम सुंदर भरतिया, श्री विष्णु शर्मा, डॉ. रमेश कुमार केजरीवाल, श्री विष्णु पोद्दार, श्री प्रदीप केडिया, श्री सज्जन शर्मा, श्री रमेश बजाज, श्रीमती सुषमा अग्रवाल, श्री राजेश कुमार पोद्दार, श्री मनोज अग्रवाल, श्री संदीप सेकसरिया, श्री श्याम सुंदर टिबड़ेवाल सहित अन्य सदस्य मौजूद थे।

बैठक के शुभारंभ में उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन अध्यक्ष श्री श्रीगोपाल तुलस्यान, महामंत्री टीकमचंद सेठिया, कोषाध्यक्ष आदित्य पोद्दार, संयोजक ओम प्रकाश अग्रवाल, प्रचार मंत्री विनीता अग्रवाल, संयुक्त महामंत्री प्रदीप केडिया, रामकृष्ण जिंदल, कैलाश अग्रवाल, अशोक धनावत, राजेश अग्रवाल, अनिरुद्ध पोद्दार, धनपत जैन, बालकृष्ण देवड़ा, महेंद्र कुमार लड़िया आदि ने सभी का स्वागत किया।

अंत में धन्यवाद ज्ञापन उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के महामंत्री श्री टिकमचंद सेठिया ने किया।

आभार...

मुझे निर्वाचित करने के लिए मैं आप सबका एवं उनका भी जो यहाँ उपस्थित नहीं हैं, सभी प्रांतों का हृदय से आभार प्रगट करता हूँ।

मैं, इस पुनीत अवसर पर हमारे संस्थापकों एवं अन्य सभी दिवंगत पूर्व अध्यक्षों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की स्मृति के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूँ, जिन्होंने अपने खून-पसीने से सम्मेलन रूपी इस महान संस्था को पुष्पित, पल्लवित किया है।

मैं, हमारे सभी वर्तमान पूर्व अध्यक्षों के प्रति आभार प्रकट करता हूँ, जिनका आशीर्वाद मुझे सम्मेलन में सदैव मिलता रहा है एवं आगामी यात्रा के लिए जिनका पथ प्रदर्शन मेरे लिए एवं सम्मेलन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण एवं आवश्यक रहेगा।

मैं, सम्मेलन के प्रत्येक कार्यकर्ताओं के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूँ। आपका समर्थन आपके आस्था का प्रतीक है। आप लोगों का स्नेह, विश्वास और समर्थन मेरे कार्यों एवं उत्तरदायित्वों के निर्वहन में मेरी सबसे बड़ी ताकत होगी। मैं आपको आश्वस्त करता हूँ कि कर्तव्य एवं प्रयास की दो पटरियों पर चलकर उत्तरदायित्व की रेल हमें गंतव्य पर पहुँचाएगी।

यह हमारे संस्था के महान लोकतांत्रिक परंपरा का सम्मान है कि मुझ जैसे अकिंचन को राष्ट्रीय अध्यक्ष के गरिमामय पद का दायित्व सौंपा जाना है। मैं, सम्मेलन के सभी सदस्यों को विश्वास दिलाता हूँ कि इस पद पर रहते हुए मेरे लिए संस्था एवं समाजहित सर्वोपरी रहेगा।

मेरे पहले के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों की एक महान विरासत है। रायबहादुर रामदेव चोखानी से लेकर आदरणीय गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया तक इस पद को सुशोभित कर चुके हैं। विविधताओं से भरे अपने समाज को हमें संगठित करके 'एक समाज–श्रेष्ठ समाज' बनाने का संकल्प सफलीभूत करना है।

मैं, हमारे समाज को इस नए युग की नई सोच के साथ स्वागत करने के लिए प्रेरित और तैयार हूँ। अपने प्रयासों से हम लोगों ने अनेकों चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना किया है, आगे भी करेंगे। जो अपनी अनंत क्षमता पर विश्वास करते हैं, वे अपनी सीमाएं स्वयं निर्धारित करते हैं।

मंजिलें उनको मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है
सिर्फ पंखों से कुछ नहीं होता, हौसलों में उड़ान होती है।

हमारे वेदों में कहा गया है – "यद् भावं तद् भवति"– जैसा तुम सोचते, वैसा ही तुम बनते हो।

इसीलिए कहा गया है कि -

'ताकत के साथ नेक इरादे भी रखना,
वरना ऐसा क्या था कि रावण हार गया था।'

हमारा समाज सशक्त समाज है। लोहा भी अत्यधिक शक्तिशाली होता है, किंतु अगर जंग लग जाए तो क्षय होने लगता है। नई विसंगतियाँ एवं चुनौतियाँ जंग के ही समान हैं। उनका निवारण हमें मिलकर करना है। समाज के सामने आज अनेक समस्याएँ हैं। नई विसंगतियाँ पनप रही हैं। ये विसंगतियाँ ऊपर से हमें लुभावने लगते हैं। अपने छत पर चढ़ जाने से हमें अपना मकान नहीं दिखता। ये विसंगतियों के विषय में कहा जा सकता है –

"हमें बहुत खूबसूरत नजर आ रही है
ये राहें तबाही के घर जा रही है।"

गांधी जी ने कहा था – "सुधार की बातों पर सर्वप्रथम लोग संज्ञान नहीं लेंगे। बाद में आप पर हँसेंगे, आपसे संघर्ष करेंगे, अंत में आप विजयी होंगे।" प्रत्येक व्यक्ति में सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों शक्तियाँ विद्यमान होती हैं एवं उनमें द्वंद्व चलता रहता है। प्रश्न उठता है - विजयी कौन होता है? उत्तर है – जिसको हम स्वयं बढ़ावा देते हैं।

संस्थापकों की दूर दृष्टि, निष्ठा, लगन प्रेरणास्पद एवं अनुकरणीय है। इस संस्था का ध्येय वाक्य – 'म्हारो लक्ष्य राष्ट्र री प्रगति' ही बहुत कुछ कह देती है। हमारे संस्थापक अध्यक्ष ने सम्मेलन की स्थापना के उद्देश्यों का अत्यंत ही सुंदर शब्दों में व्याख्या की थी। मैं उन्हें दोहराता हूँ –

"जिस महान एवं पवित्र उद्देश्यों को लेकर हमलोग यहाँ उपस्थित हुए हैं, वह उद्देश्य है संपूर्ण मारवाड़ी का सामाजिक संगठन, ऐसा संगठन जो जाति में नवजीवन का संचार करने वाला हो, उसके कार्यकर्ताओं में उल्लास, सजीवता एवं कर्मोद्यम का भाव भरने वाला हो।"

अभी तक समाज की विभिन्न शाखाओं का जो संगठन हुआ है, शृंखलित न होने के कारण उसके द्वारा हम देश के सार्वजनिक जीवन पर अपना प्रभाव रखने में तथा उसके सभी क्षेत्रों में अन्यान्य समाजों के साथ अपनी एकता स्थापित करने में समर्थ नहीं हुए हैं। समाज का विकसित होना इस बात पर निर्भर करता है कि सामुहिक हित-साधना के लिए क्या व्यवस्था है? समाज की प्रमुख संस्थाएँ किस प्रकार सार्वजनिक, सांस्कृतिक, सामाजिक और शैक्षणिक कार्यों का निष्पादन करती हैं? समाज के लोगों का समाज के प्रति क्या योगदान है? यदि संस्थाएं विकास कर रही हैं तो समाज भी विकास कर रहा है।

हमें समाज के विभिन्न अंगों के साथ सामंजस्य एवं समन्वय कर एक स्वर, एक लक्ष्य लेकर आगे बढ़ने का पुरजोर प्रयास करना चाहिए। हमारा मंत्र होना चाहिए, 'आपणो समाज-एक समाज-श्रेष्ठ समाज'।

सम्मेलन अपने इतिहास के सशक्त दौर से गुजर रहा है। पूरब से पश्चिम, दक्षिण से उत्तर देश के कोने-कोने में फैले समाज बंधुओं को एक सूत्र में पिरोने का अभिनव कार्य सम्मेलन कर रहा है। उसमें अधिक गहराई लाने की आवश्यकता है। हमारे मनीषियों ने कहा है – "धर्मो रक्षति रक्षितः।" *शेषांक पेज नं.१२ पर*

महामहिम राज्यपाल से सम्मेलन के शिष्टमंडल की शिष्टाचार भेंट

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने सम्मेलन की गतिविधियों से अवगत कराया

सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने झारखंड के महामहिम राज्यपाल श्री सी. पी. राधाकृष्णन से भेंट कर होली की शुभकामना दी और आशा व्यक्त की कि महामहिम के कुशल मार्गदर्शन में प्राकृतिक संसाधनों से सुसंपन्न झारखंड, प्रगति के नए आयाम स्थापित करने में सफल होगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष गाड़ोदिया जी ने महामहिम को सम्मेलन की गतिविधियों से अवगत कराया। महामहिम के साथ भेंटवार्ता में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया के साथ पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री राजकुमार केडिया, निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, वर्तमान झारखंड प्रांत के अध्यक्ष श्री बसंत मित्तल एवं प्रोफेसर (डॉक्टर) ओम प्रकाश प्रणव शामिल थे।

मैं हमेशा मारवाड़ी समाज के साथ रहूँगा : सुजीत बोस

प. बंगाल के दमकल मंत्री श्री सुजीत बोस को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के स्थापना दिवस का चित्रमय एलबम सौंपते सम्मेलन के ***राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका।***

पश्चिम बंगाल के दमकल मंत्री सुजीत बोस से गुरुवार को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया की सलाह पर राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका ने उनके कार्यालय में मुलाकात की। इस दौरान दमकल मंत्री को गत दिसंबर माह में आयोजित सम्मेलन के ८८वाँ स्थापना दिवस से संबंधित चित्रों का एक एलबम सौंपा गया। उक्त समारोह में बतौर प्रधान वक्ता सुजीत बोस उपस्थित थे, जहां उन्होंने मारवाड़ी समाज के सेवा मूलक कार्यों की सराहना करते हुए सम्मेलन के समाज सुधार मूलक कार्यकलापों की भूरि-भूरि प्रशंसा की थी। गुरुवार को हुए इस मुलाकात के दौरान मंत्री ने आश्वासन दिया कि वे हमेशा समाज के साथ थे, हैं और रहेंगे। इस मुलाकात के दौरान समाजसेवी लक्ष्मण अग्रवाल भी उपस्थित थे।

शेषांक ...पेज ११

हम संस्था को अपना सर्वश्रेष्ठ दें, संस्था हमें सर्वश्रेष्ठ देगा।

संचार एवं तकनीकी क्रांति के इस युग में हमारे सामने उपलब्ध नए-नए अवसरों का उपयोग करके सम्मेलन की गतिवधियों को नया रूप देना है।

मैं आप सभी से आह्वान करता हूँ :-

"धरे हाथ पर हाथ न बैठो, कोई नया विकल्प निकालो
जंग लगे हौसले मांज लो, शिथिल पुरुषार्थ जगा लो
उपवन के पत्ते-पत्ते पर लिख दो, नए युग की नई ऋचाएँ
वो ही माली कहलाएँगे, जो हाथों में जख्म दिखाएँ।"

हमें इस बात का गर्व होना चाहिए कि सम्मेलन के कोख से युवा मंच एवं महिला सम्मेलन जैसी सक्रिय संस्थाओं ने जन्म लिया है। समाज के तीनों अंग मिलकर समाज को नई दिशा देने की क्षमता रखते हैं।

बंधुओं! आप जानते हैं कि शब्द तो मन की भावनाओं को व्यक्त करने के अधूरे साधन हैं। मैं, आप सभी के प्रति आभार पुनः प्रकट करता हूँ। मैं, आपको विश्वास दिलाना चाहूँगा कि आपके विश्वास एवं समर्थन के कसौटी पर खरा उतरने का मैं कोई भी प्रयास नहीं छोड़ूँगा। अपने बारे में मैं कहना चाहूँगा-

गति प्रबल पैरों में पड़ी
फिर क्यों रहूँ दर-दर खड़ा
आज मेरे सामने
है रास्ता इतना पड़ा
जब तक न मंजिल पा सकूँ
तब तक न मुझे विराम है
चलना हमारा काम है।

जय समाज, जय राष्ट्र!!!

(नोटः कानपुर में आयोजित अखिल भारतीय समिति में दिए गए वक्तव्य का अंश)

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का इकतीसवाँ अधिवेशन

उड़ान.... नए क्षितिज की ओर

मिशन बागबान, समाज परिक्रमा अभियान, अन्नपूर्णा की रसोई, गृहलक्ष्मी सम्मान, अमृत महोत्सव, प्राणवायु सेवा, स्वस्थ बेटियाँ स्वस्थ समाज, ये देश है मेरा, आयुष्मान भवः, मरुधरा, हम होंगे कामयाब, प्रतिभा पर्व, आत्मनिर्भर समाज, हम हैं समाज के साथ जैसे व्यक्ति विकास, समाज सुधार, जनसेवा और राष्ट्रीय सम्मान एवं एकता के अनेकानेक कार्यक्रमों, गतिविधियों और योजनाओं के माध्यम से सदी की भीषणतम त्रासदी कोरोना की चुनौतियों के बावजूद समाज और प्रदेश के लिए अपनी सार्थकता को सिद्ध करते हुए बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के सत्र २०२०-२३ का मधेपुरा शाखा के शानदार आतिथ्य में दिनांक ११ और १२ मार्च २३ को आयोजित इकतीसवें प्रादेशिक अधिवेशन 'उड़ान.... नए क्षितिज की ओर २०२३' के साथ सफल समापन हुआ।

सनातन धर्म के अनुसार पारंपरिक रूप से रामभक्त श्री हनुमान जी के गुणगान से अधिवेशन का शुभारंभ हुआ। हमारे हनुमान कार्यक्रम के अंतर्गत सामूहिक सुंदरकांड पाठ और ज्योति हवन-पूजन ने संपूर्ण वातावरण में दिव्य ऊर्जा एवं भक्ति-भाव का संचार कर दिया। अधिवेशन के अवसर पर आयोजित सत्र की प्रादेशिक कार्यकारिणी समिति एवं प्रादेशिक सभा की अंतिम बैठक सारांश में अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श हुआ और समाज एवं सम्मेलन के हित में दूरगामी निर्णय लिए गए। पूरे सत्र में सिर्फ एक बार अधिवेशन के अवसर पर ही आयोजित होने वाली प्रतिनिधि सभा में, नए सत्र में लिए जाने वाले कार्यक्रमों का मार्गदर्शन करते हुए पाँच प्रस्ताव पारित किए गए जिसमें समाज के युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रेरित करना, समाज की राजनीतिक मजबूती के लिए अधिक से अधिक सक्षम समाज-बंधुओं को जन प्रतिनिधित्व के लिए तैयार करना, राजस्थानी भाषा और मारवाड़ी संस्कृति-संस्कारों तथा पर्व-त्योहारों के प्रचार-प्रसार के लिए विशेष प्रयास करना, शादी-विवाह के अवसर पर बढ़ती जा रही प्री वेडिंग शूट और शानदार होटलों में शोक सभाओं के आयोजन जैसी कुरीतियों के उन्मूलन हेतु जन-चेतना जागृत करना तथा मारवाड़ी समाज की संस्थाओं के द्वारा स्थापित एवं संचालित सार्वजनिक महत्व की संपतियों को अनाधिकृत कब्जे से मुक्त कराने और उनके सुचारु संचालन हेतु आवश्यक कार्य करना शामिल है।

मारवाड़ी समाज के सभी वर्गों और घटकों को एक सूत्र में बाँधकर संगठन को मजबूत बनाने की सोच के अंतर्गत अधिवेशन के अवसर पर प्रथम दिन युवा सत्र और महिला सत्र का भी आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता संबंधित संगठनों के प्रादेशिक अध्यक्षों द्वारा की गई। इस सत्रों में विद्वान वक्ताओं और उपस्थित प्रतिनिधियों के द्वारा अर्थ और स्वास्थ्य से संबंधित विषयों पर उपयोगी विचार-विमर्श किया गया। रात्रि में राजस्थान और बिहार की लोक कला एवं संस्कृति का दिग्दर्शन कराता हुआ सांस्कृतिक कार्यक्रमों का गुलदस्ता 'पधारो म्हारे देस' प्रस्तुत किया गया। अधिवेशन का आयोजक मधेपुरा शाखा के द्वारा दो महीनों की कड़ी मेहनत के बाद स्थानीय समाज की महिलाओं, युवाओं और बच्चों के द्वारा तैयार किए गए विभिन्न कार्यक्रमों को देखकर कोलकाता से विशेष रूप से बुलाई गई कलाकारों की टीम स्वयं दंग रह गई। देर रात तक चलते रहे इस कार्यक्रम के दौरान पूरा प्रेक्षागृह खचाखच भरा हुआ था।

अधिवेशन के दूसरे दिन की शुरुआत जबरदस्त उमंग, उत्साह और जोश के साथ हुई। मधेपुरा की सड़कों पर दो हजार से भी अधिक महिलाओं, पुरुषों, युवाओं, बच्चों के द्वारा निकाली गई बिहार विकास पदयात्रा देखने योग्य थी। विभिन्न प्रकार की झांकियाँ, रथ, नर्तकों की टोली, स्काउट बैंड, आंचलिक समरसता और एकता का उद्घोष करती तख्तियाँ सभी कुछ मन को मोह ले रही थी। पूरे रास्ते में जगह-जगह पदयात्रा पर पुष्पों की वर्षा की गई और अनेक प्रकार से यात्रियों का सत्कार किया गया। अधिवेशन स्थल पर पहुँचते ही भव्य स्वागत-अभिनंदन और राष्ट्रीय ध्वजारोहण हुआ।

प्रादेशिक अधिवेशन के दूसरे दिन का मुख्य कार्यक्रम पदस्थापना सह अलंकरण समारोह 'नवोदय' नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन कुमार सुरेका, राष्ट्रीय सूचना तकनीक एवं वेबसाईट उपसमिति चेयरमैन श्री कैलाशपति तोदी, बिहार की परिवहन मंत्री श्रीमती शीला मंडल, मधेपुरा के लाल और मारवाड़ी समाज के गौरव विधान पार्षद श्री ललन कुमार सर्राफ, पूर्व प्रादेशिक अध्यक्ष डॉ. रमेश कुमार केजरीवाल और श्री विनोद कुमार तोदी की उपस्थिति में हुआ। अत्यंत हर्षोल्लास और उत्साह के वातावरण में उपस्थित जनसमूह के समक्ष प्रादेशिक अध्यक्ष महेश जालान ने अपना पद, दायित्व और स्थान आगामी सत्र के लिए निर्वाचित अध्यक्ष युगल किशोर अग्रवाल को सुपुर्द किया। अधिवेशन के अवसर पर प्रकाशित स्मारिका 'धरोहर' का सम्मानित अतिथियों ने विमोचन किया।

अधिवेशन के अवसर पर विभिन्न सत्रों के दौरान पाँच चरणों में सर्वश्रेष्ठ पदाधिकारियों, सहयोगी सदस्यों, जन-प्रतिनिधियों, नवोदित प्रतिभाओं और शुभेच्छु समाज-बंधुओं के बीच पुरस्कार एवं सम्मान का वितरण किया गया। पूरे अधिवेशन के दौरान चाक-चौबंद सभी व्यवस्थाएँ और सत्रों में भारी उपस्थिति स्वागताध्यक्ष प्रमोद कुमार अग्रवाल और संयोजक मनीष कुमार सर्राफ के कुशल नेतृत्व तथा आयोजन समिति के सदस्यों की सजगता-सक्रियता का नायाब नमूना थी। अनेक मधुर स्मृतियों को अपने दामन में संजोए आगामी सत्र के लिए बिहार प्रांत की एक नई उड़ान के प्रति आश्वस्त करता इकत्तीसवाँ प्रादेशिक अधिवेशन 'उड़ान.... नए क्षितिज की ओर' आन-बान और शान के साथ संपन्न हुआ।

संक्षिप्त परिचय : श्री युगल किशोर अग्रवाल

सुपौल निवासी सुप्रसिद्ध व्यवसायी स्व. मुरलीधर अग्रवाल के यहाँ ०२ जुलाई १९५८ को श्री युगल किशोर अग्रवाल का जन्म हुआ, जो अपने परिवार में सबसे छोटे पुत्र हैं। आपकी शिक्षा मारवाड़ी पाठशाला, विलियम्स उच्च विद्यालय एवं भारत सेवक समाज कॉलेज, सुपौल में संपन्न हुई। आप १८ अप्रैल १९८४ को सुनीता जी के साथ परिणय सूत्र में बंधे। आपको एक पुत्र एवं एक पुत्री है, जिनका विवाह हो चुका है एवं दोनों ही बेंगलुरु में निजी कंपनी में अच्छे पद पर सुशोभित हैं। आपने बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की आजीवन सदस्यता वर्ष १९८४ में ही प्राप्त की। तब से लगातार जिला महामंत्री, प्रमंडलीय मंत्री एवं प्रमंडलीय उपाध्यक्ष के रूप में कार्य किया है तथा २०११-१३ में सर्वश्रेष्ठ प्रमंडलीय उपाध्यक्ष का सम्मान भी प्राप्त कर चुके हैं और वर्ष २०१५-१७ में वरीय उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया है। आपका जीवन लगातार समाज सेवा राजनितिक परिवेश एवं धार्मिक कार्यों से जुड़ा हुआ है। आप सुपौल में कई संस्थाओं से जुड़े रहे हैं, जिसमें सुपौल शहर की प्रमुख संस्था राष्ट्रीय सार्वजनिक मेला समिति में २१ नवंबर २०१४ से ०४ जुलाई २०२२ तक सचिव पद पर अपनी सेवा दी है तथा सुपौल व्यापार संघ, जो व्यापारियों की सबसे बड़ी संस्था है उनके सचिव पद पर ०५ जुलाई २०१० से आजतक अपना दायित्व निभा रहे हैं और आपकी धर्मपत्नी श्रीमति सुनिता देवी, सुपौल नगर परिषद में वर्ष २००७ से २०१२ तक मुख्य पार्षद के पद पर सुशोभित रह चुकी हैं।

आप क्षेत्रीय रेल उपभोक्ता परामर्श दात्रि समिति के सदस्य के रूप में २०२१ से कार्यरत हैं तथा शहर की अन्य संस्थाओं जैसे पब्लिक लाईब्रेरी एंड क्लब, रेडक्रॉस में अपनी सर्मपित सेवा के अलावे जिला स्तर की संस्कारी संस्थाओं में भी अपना योगदान दे रहे हैं। आप विगत दिनों संपन्न बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के चुनाव में दिनांक–२० नवम्बर २०२२ को प्रादेशिक अध्यक्ष (२०२३-२५) के लिए निर्वाचित हुए तथा दिनांक १२ मार्च २०२३ के पदभार ग्रहण किया।

पूर्वोत्तर प्रादेशीय मारवाड़ी सम्मेलन का १६वाँ अधिवेशन

मारवाड़ी सम्मेलन का प्रांतीय अधिवेशन संपन्न

२५ मार्च २०२३ को सम्मेलन की कामरूप शाखा के आतिथ्य में १६वें प्रांतीय अधिवेशन की शुरुआत सुबह १० बजे झंडोत्तोलन से हुई। तत्पश्चात दिवंगत पूर्व प्रांतीय अध्यक्षों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके पश्चात प्रांतीय कार्यकारिणी की सप्तम बैठक एवं प्रांतीय सभा की द्वितीय बैठक का आयोजन किया गया। भोजन अवकाश के पश्चात सदस्यों के लिए उन्मुक्त सत्र 'आप की अदालत' का आयोजन किया गया।

शाम ६ बजे से उद्घाटन सत्र प्रारंभ हुआ, जिसमें नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया जी, राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका जी, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. श्याम सुन्दर हरलालका जी सहित अनेक राष्ट्रीय, प्रांतीय शाखा पदाधिकारी, शाखा सदस्य, समाज बंधु एवं गणमान्य व्यक्तिगण उपस्थित थे। इसी कार्यक्रम में नव-निर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा जी को नव-निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष जी द्वारा शपथ पाठ करवाया गया। आज के कार्यक्रम का समापन सांस्कृतिक संध्या के साथ हुआ, जिसमें प्रांत की अनेक शाखा की अनेक शाखाओं ने अपनी-अपनी प्रस्तुति दी।

२६ मार्च २०२३ को अधिवेशन के दूसरे दिन सर्वप्रथम प्रतिनिधि सत्र हुआ, जिसमें शाखाओं द्वारा प्रेषित प्रस्तावों पर चर्चा हुई एवं कई प्रस्ताव ग्रहित किए गए। आज के कार्यक्रमों के दूसरे सत्र की थीम समरसता पर्व पर रखा गया, जिसमें मुख्य वक्ता स्वरुप दिल्ली से पधारे पूर्व प्रांतीय महामंत्री एवं वरिष्ठ अधिवक्ता श्री ओम प्रकाश केजरीवाल जी उपस्थित रहे। साथ में नव-निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री शिव कुमार लोहिया जी एवं श्री रवि अजीत सरीया ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सभा में समाज की विभिन्न संस्थाओं के शीर्ष पदाधिकारीगण भी उपस्थित थे, उन्होंने भी इस विषय पर अपने-अपने विचार रखे। इस सत्र का संचालन श्री विनोद रिंगानिया जी ने किया।

भोजनावकाश के पश्चात अधिवेशन के अंतिम सत्र समापन सत्र का आयोजन हुआ। इस सत्र में प्रांतीय अध्यक्ष ने अध्यक्षीय पुरस्कारों का वितरण किया। कामरूप शाखा के आतिथ्य में यह एक सफल अधिवेशन रहा, जिसमें सुंदर आवास व्यवस्था, स्वादिष्ट खानपान व्यवस्था सहित प्रतिनिधियों की भी शानदार उपस्थिति रही।

अशोक कुमार अग्रवाल
निवर्तमान प्रांतीय महामंत्री, पू.प्र.मा.स.

संक्षिप्त जीवन परिचय : श्री कैलाश चंद काबरा

नाम : कैलाश चंद काबरा
पिताश्री : स्वर्गीय रामकरण जी काबरा
जन्म : १६ जनवरी १९५७
जन्म स्थान : मुखेड ग्राम, नांदेड़, महाराष्ट्र
पैतृक स्थान : लोसल, जिला - सीकर, राजस्थान।
शिक्षा : हायर सेकेंडरी, गुवाहाटी कॉमर्स कालेज
कर्म स्थली : गुवाहाटी
व्यवसाय : नार्थ ईस्ट क्षेत्र के प्रतिष्ठित फुड ग्रेन, इडिबल ऑयल व चीनी के थोक विक्रेता।

पारिवारिक ट्रस्ट श्री चांद देवी रामकरण काबरा ट्रस्ट। इस ट्रस्ट के माध्यम से वर्षो से जरूरतमंद परिवारों की सहायता तथा धार्मिक व समाजिक कार्यों के लिए आर्थिक सहयोग।

सामाजिक जीवन : ३२ वर्ष

सामाजिक व व्यवसायी संस्थाओ में दायित्व का निर्वहन

(१) अध्यक्ष, माहेश्वरी सभा, गुवाहाटी (२) अध्यक्ष, पूर्वोत्तर माहेश्वरी सभा (३) अध्यक्ष, पूर्वोत्तर माहेश्वरी सेवा न्यास (४) उपाध्यक्ष, आसाम माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट, गुवाहाटी (५) अध्यक्ष, मारवाड़ी सम्मेलन गुवाहाटी शाखा (६) उपाध्यक्ष - कामरूप चैंबर ऑफ कॉमर्स, गुवाहाटी (७) अध्यक्ष - आल असम ब्रोकर एसोसिएशन (८) बोर्ड मेंबर – माहेश्वरी पत्रिका। (९) कार्यसमिति सदस्यः श्री गौहाटी गौशाला (१०) कार्यसमिति सदस्यः श्री मारवाड़ी दातव्य औषधालय (११) कार्यसमिति सदस्यः अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा (१२) कार्यसमिति सदस्यः लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी

वर्तमान दायित्व

(१) राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (पूर्वांचल)–अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा (२) उपाध्यक्ष-कामरूप चैंबर ऑफ कॉमर्स (३) अध्यक्ष–ऑल असम ब्रोकर एसोसिएशन (४) सलाहकार–माहेश्वरी सभा, गुवाहाटी

विशिष्ट उपलब्धि

लोकसभा अध्यक्ष माननीय श्री ओम बिड़ला जी का वृहत्तर मारवाड़ी समाज की ओर से आयोजित नागरिक अभिनंदन समारोह में रचनात्मक भूमिका।

पूर्वोत्तर प्रादेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

हम उस धरती के हैं जिसने पुण्य करना सिखाया: राज्यपाल

मैं अपने कार्यों से निश्चित रूप से आपलोगों का सर गर्व से ऊँचा रखूँगा। मैं जिस धरती से आया हूँ उस राजस्थान की धरती का मान भी रखूँगा। इस आशय की बातें आज असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने फैंसी बाजार स्थित महावीर स्थल में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन और पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के नव निर्वाचित प्रांतीय पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह के पश्चात नागरिक अभिनंदन समारोह में कही। राज्यपाल ने आगे कहा कि मुझे ज्ञात हुआ है कि सन १९३५ में ही मारवाड़ी असम में आकर अपना कामकाज शुरु कर समाज को संगठित करने का काम किया है। मैं उन पूर्वजों को नमन करता हूँ, जिन्होंने उस समय यातायात का कोई भी साधन उपलब्ध ना होते हुए भी असम में आकर स्वयं भी खड़े हुए तथा असम को भी उद्योग, व्यापार एवं सामाजिक गतिविधियों के द्वारा खड़ा कर दिया। हम जिस धरती से आए हैं उस धरती ने हमें पुण्य करना सिखाया है। जिस धरती पर हम कर्म कर रहे हैं उस धरती की संस्कृति, नीति-नियम के साथ दूध में शक्कर की तरह मारवाड़ी अपने आप मिल जाते हैं। पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के उन सभी पूर्व अध्यक्षों को भी मैं वंदन करता हूँ, जिन्होंने असम में सामाजिक गतिविधियों की शुरुआत कर मारवाड़ी समाज को एक सराहनीय दिशा प्रदान की है। इससे पहले मंच पर सम्मानीय अतिथि के रूप में मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. श्याम सुंदर हरलालका, मारवाड़ी सम्मेलन के नव-निर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, मारवाड़ी युवा मंच के नव निर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष पंकज जालान, निर्वाचित मंडलीय उपाध्यक्ष सुशील गोयल, प्रदीप भुवालका, मारवाड़ी युवा मंच, गुवाहाटी ग्रेटर शाखा के अध्यक्ष राम भट्टर ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। शपथ ग्रहण सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में मारवाड़ी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र भट्टर के अलावा नव-निर्वाचित प्रांतीय महामंत्री सुभाष सुरमा, सम्मेलन के नव-निर्वाचित प्रांतीय महामंत्री विनोद लोहिया मंच पर उपस्थित थे। सम्मेलन एवं युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष के स्वागत संबोधन के पश्चात सम्मेलन व युवा मंच के प्रांतीय पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण की कड़ी में सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. श्यामसुंदर हरलालका ने प्रांतीय पदाधिकारियों को कार्यकारिणी सदस्य के पद की शपथ दिलाई। मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय पदाधिकारियों को पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण बजाज ने, मंडलीय उपाध्यक्ष को गुवाहाटी शाखा के संस्थापक अध्यक्ष सुभाष सिकरिया और कार्यक्रम संयोजक को राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र भट्टर ने शपथ दिलाई। इस अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच के मुखपत्र का भी विमोचन किया गया। इसके अलावा प्रवासी राजस्थानी प्रकोष्ठ के संयोजक राजू अग्रवाल का भी अभिनंदन किया गया।

प्रादेशिक समाचार : पूर्वोत्तर

तेजपुर शाखा का प्रथम शपथ विधि समारोह

सम्मेलन की नई शाखा तेजपुर का प्रथम शपथ विधि समारोह होटल प्लाजा प्राइम में हुआ। समारोह की अध्यक्षता हेतु प्रांतीय उपाध्यक्ष मंडल छह के श्रीमान अशोक जी नागोरी, मुख्य अतिथि प्रांतीय अध्यक्ष ओमप्रकाश खंडेलवाल एवं प्रांतीय महामंत्री अशोक कुमार अग्रवाल को मंच पर आमंत्रित किया गया। स्वागत भाषण व शाखा गठन की प्रक्रिया के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी तदर्थ समिति के संयोजक श्रीराम जी पाटोदिया ने प्रस्तुत की। तेजपुर शाखा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री सुनील सराफ को प्रांतीय अध्यक्ष ओमप्रकाश जी खंडेलवाल ने शपथ पाठ करवाया एवं फूल माला, गमछा से नवनिर्वाचित अध्यक्ष का प्रांत और शाखा ने अभिनंदन किया। प्रांतीय महामंत्री अशोक कुमार अग्रवाल ने शाखा के नवनिर्वाचित सचिव श्री राजीव जैन एवं पदाधिकारियों को शपथ दिलवाई। श्री अशोक नगोरी ने संगठन के उद्देश्यों की जानकारी के साथ ही संगठन की सक्रियता बनाए रखने के मंत्र बताए। प्रांतीय अध्यक्ष ओमप्रकाश खंडेलवाल एवं प्रांतीय महामंत्री अशोक कुमार अग्रवाल ने सभी को तेजपुर शाखा गठन के लिए बधाई व शुभकामनाएँ दी। अध्यक्षीय संबोधन में श्री सुनील सराफ ने समाज से सहयोग की अपील करते हुए संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। सचिव श्री राजीव जैन ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया एवं राष्ट्रगान के साथ सभा संपन्न हुई। नवगठित कार्यकारिणी समिति में निम्न सदस्यों को चयनित किया गयाः अध्यक्ष – श्री सुनील सराफ, उपाध्यक्ष – १) श्री विनोद बोथरा, २) श्री घनश्याम जी सोमानी, सचिव – श्री राजीव जैन, सह सचिव – १) श्री प्रेम झंवर, २) श्री राजू शर्मा, कोषाध्यक्ष – श्री रमेश गाड़ोदिया, सह कोषाध्यक्ष – श्री पंकज धारिवाल। कार्यकारिणी समिति – १) श्री राजेश जालान, २) श्री रामवतार झवर, ३) श्री प्रमोद जैन, ४) श्री अनुप जालान, ५) श्री दीपक टिबड़ेवाल, ६) श्री जोगिंदर टायल, ७) श्री मनोज सरावगी, ८) श्री दिलीप पाटनी, ९) श्री प्रदीप जैन, १०) श्री सुरेंद्र अग्रवाल, ११) श्री सुरेश सिरोहिया, १२) श्री अशोक खेतावत। यह प्रेस विज्ञप्ति शाखा सचिव राजीव जैन द्वारा दी गई।

गुवाहाटी के असम साहित्य सभा भवन में पूर्वोत्तर भारत में मारवाड़ी समाज की अभिभावक व प्रतिनिधि संस्था, 'पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन' के अध्यक्ष समाजसेवी कैलाश काबरा जी व वृहत्तर फांसी बाजार शाखा साहित्य सभा के सचिव घनश्याम लडिया आदि सदस्य दल ने असम साहित्य सभा के अध्यक्ष, साहित्यकार डॉ. सूर्यकांत हजारिका को पुष्प गुच्छ देकर अभिनंदन किया। सूर्यकांत जी के साथ सोहार्दपूर्ण बैठक में असमिया समाज एवं मारवाड़ी समाज के समन्वय को लेकर कई महत्वपूर्ण विषयों पर गठनमूलक चर्चा हुई और उन्होंने आश्वासन दिया कि वृहत्तर असमिया समाज के गठन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में पूर्वोत्तर मारवाड़ी सम्मेलन के अंतर्गत समाज के सभी गठकदलों के साथ बैठक करूँगा।

प्रादेशिक समाचार : दिल्ली

त्यागराज स्टेडियम में 'राजस्थान मित्र मंडल' द्वारा ३० मार्च २०२३ को राजस्थान स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन सहित अनेकों सामाजिक संस्थाओं ने सहयोग दिया। सम्मेलन की ओर से राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन गोयनका एवं दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से प्रांतीय अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भुतोड़िया एवं प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री विनोद किला, श्री सुरेश पोद्दार, श्री सज्जन शर्मा एवं महामंत्री श्री सुन्दरलाल शर्मा, सौरभ भारद्वाज, श्री पवन पोद्दार, उमा शंकर कमलिया आदि ने सहभागिता की एवं केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल, श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, श्री राज्यवर्धन सिंह राठौर, बीजेपी राजस्थान अध्यक्ष श्री सी.पी. जोशी आदि नेताओं एवं राजस्थानी कलाकार सुश्री कंचन देवी राजपुरोहित आदि से मुलाकात की।

प्रांतीय अधिवेशन एवं होली मिलन समारोह संपन्न

दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का प्रांतीय अधिवेशन एवं होली मिलन समारोह, २ मार्च २०२३ को क्रिस्टल पैलेस, मायापुरी, दिल्ली में पश्चिम दिल्ली शाखा के आतिथ्य में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में श्री अलोक कुमार, उपायुक्त (क्राइम), श्री राजेंद्र मुनौत (चीफ, एंटी क्राइम ब्यूरो), श्री राजेश लाडी (निगम पार्षद), श्री श्याम शर्मा (पूर्व महावीर), श्री विक्रांत विक्रम (प्रतारक, रा. स. संघ), राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन गोयनका, राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका, उत्तरप्रदेश प्रांतीय अध्यक्ष श्री श्रीगोपाल तुलस्यान, दिल्ली प्रांतीय अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री राजकुमार मिश्रा, शाखा अध्यक्षगण श्री नवरतन मल अग्रवाल (पश्चिम दिल्ली), श्री सज्जन शर्मा (सेंट्रल दिल्ली), श्री रमेश बजाज (गणगौर), सुभाष जैन (द्वारका), श्री सुरेश अग्रवाल (गाजियाबाद कार्यकारी) की विशेष उपस्थिति रही।

कार्यक्रम की शुरुआत समाज के विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। अतिथियों का सम्मान, प्रांतीय महामंत्री श्री ओम प्रकाश अग्रवाल की विस्तृत रिपोर्ट एवं अतिथियों के संबोधन के पश्चात पुनःनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भूतोड़िया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन गोयनका, प्रांतीय कार्यकारिणी, राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका तथा नवनिर्वाचित शाखा अध्यक्षगण, पश्चिम दिल्ली - श्री नवरतन अग्रवाल, सेंट्रल दिल्ली - श्री पवन शर्मा, गणगौर शाखा - श्री रमेश बजाज, द्वारका शाखा – श्री सुभाष जैन एवं ग्रेटर फरीदाबाद – श्री दिलीप कुमार बंका को पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री राजकुमार मिश्रा ने शपथ दिलाई।

श्री सुन्दर लाल शर्मा को प्रांतीय महामंत्री एवं श्री दीपक लालासी को प्रां. कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

सभा को संबोधित करते हुए सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन गोयनका ने कहा कि “भारत त्योहारों का देश है, प्रत्येक त्योहार भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों के ध्वजारोहक हैं। प्रत्येक त्योहार का एक अपना इतिहास है और उसके साथ एक शिक्षा जुड़ी है जो रिश्तों को, परिवारों को, समाज को एवं राष्ट्र को जोड़ने का काम करती है, इसलिए अधिक से अधिक भारतीय त्योहार मनाएं और अपने बच्चों को प्रोत्साहित करें।” सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री संजय हरलालका ने विवाह-शादी आदि मौकों पर फिजूलखर्ची, दिखावा एवं प्री-वेडिंग शूटिंग आदि सामाजिक बुराइयों से बचने का आह्वान किया।

प्रांतीय अध्यक्ष श्री लक्ष्मीपत भुतोड़िया ने पुनर्निर्वाचन हेतु दिल्ली प्रांत के सदस्यों को धन्यवाद दिया। पूर्व प्रां. अध्यक्ष श्री राज कुमार मिश्रा ने आए हुए मेहमानों का आभार व्यक्त किया एवं पश्चिम दिल्ली शाखा अध्यक्ष श्री नवरतन अग्रवाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम संयोजक शाखा अध्यक्ष श्री नवरतन अग्रवाल, महामंत्री श्री सूर्य प्रकाश लाहोटी एवं उनकी पूरी टीम तथा प्रांतीय अधिवेशन संयोजक एवं पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री राज कुमार मिश्रा ने अपनी लगन एवं मेहनत से कार्यक्रम को अति सुंदर बना दिया।

कार्यक्रम का विशेष आकर्षण छापर (राजस्थान) के कलाकारों का राजस्थानी नृत्य एवं होली का कार्यक्रम एवं स्वादिष्ट राजस्थानी खाना रहा।

राजस्थानी भाषा मान्यता एवं समाज को मजबूत करने पर चर्चा

१९ फरवरी २३ को जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी (JNU) प्रांगण में सीमा जागरण मंच, दिल्ली प्रदेश द्वारा आयोजित सीमांत प्रदेश स्नेह मिलन (राजस्थान) एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम में सहभागिता एवं दिल्ली प्रवासी अनेकानेक राजस्थानी बंधुओं से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में आरएसएस के वरिष्ठ संघ प्रचारक एवं सीमा जागरण मंच, प्रमुख श्री मुरलीधर जी मिंडा, डॉ. (सीए) श्री विजय कुमार चौधरी तथा अन्य प्रमुख पदाधिकारियों से मुलाकात हुई।

मारवाड़ी सम्मेलन के प्रतिनिधि मंडल में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पवन गोयनका, दिल्ली प्रा. मारवाड़ी सम्मेलन संगठन मंत्री श्री विमल खंडेलवाल, ग्रेटर फरीदाबाद शाखा अध्यक्ष श्री दिलीप जी बंका, महामंत्री श्री मधुसूदन माटोलिया, श्री सर्वेश गोयनका आदि की उपस्थिति रही, श्री मुरलीधर जी से राजस्थानी भाषा मान्यता एवं दिल्ली में रह रहे राजस्थानी समाज को मजबूत करने संबंधित अनेक विषयों पर चर्चा हुई।

मारवाड़ी सम्मेलन वाराणसी का द्वितीय पदग्रहण समारोह संपन्न

अनुज डिडवानिया अध्यक्ष व मनमोहन लोहिया बने महामंत्री

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की वाराणसी शाखा का द्वितीय पद ग्रहण समारोह उत्साह एवं उल्लास के साथ मारवाड़ी युवक संघ भवन में हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि विधायक व पूर्व कैबिनेट मंत्री आशुतोष टंडन एवं विशिष्ट अतिथि श्री काशी विश्वनाथ न्यास, अध्यक्ष प्रो. नागेंद्र पांडेय उपस्थित थे। समारोह में अध्यक्ष अनुज डिडवानिया व मंत्री मनमोहन लोहिया के नेतृत्व में नए पदाधिकारी मंडल ने कार्यभार ग्रहण किया।

मुख्य अतिथि आशुतोष टंडन ने कहा कि मारवाड़ी समाज हमेशा सामाजिक स्तर पर कार्य करता रहा है। अस्पताल, धर्मशाला, विधवा आश्रम, शिक्षित क्षेत्र में लोगों को आगे बढ़ाने का कार्य करने का समाज ने संकल्प लिया है और उनके इस संकल्प में मेरा भी सहयोग रहेगा। विशिष्ट अतिथि प्रो. नागेंद्र पांडेय ने कहा कि मारवाड़ी समाज हमेशा दूसरों की भलाई करता रहा है। निवर्तमान अध्यक्ष श्री नारायण खेमका ने कहा कि सामाजिक संगठनों से समाज की शक्ति और मिलजुल कर कार्य करने की भावना को मजबूती मिलती है। आईआईए के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आर के चौधरी ने कहा कि मारवाड़ी समाज सभी लोगों को एक सूत्र में पिरोने का काम करता रहा है। साथ ही राष्ट्रहित में हमेशा सहयोग किया है। पदभार ग्रहण करते हुए अध्यक्ष अनुज डिडवानिया ने कहा कि मारवाड़ी समाज सदैव से ही सेवा को अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभाता रहा है। सहयोग धारा प्रकल्प के संयोजकों के रूप में श्याम सुंदर प्रसाद, सुरेश खंडेलवाल, हेमदेव अग्रवाल एवं दिलीप खेतान के नामों की घोषणा की गई। निवर्तमान सचिव अनिल अग्रवाल ने कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। समारोह को पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनिल के. जाजोदिया, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष उमाशंकर अग्रवाल, मारवाड़ी युवक संघ के अध्यक्ष पुरुषोत्तम जालान इत्यादि ने भी संबोधित किया। प्रारंभ में अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन किया गया।

घोषित नई टीम : उपाध्यक्ष अनिल अग्रवाल व गोकुल शर्मा, कोषाध्यक्ष मनीष लोहिया, मीडिया प्रभारी सुरेश तुलस्यान, कार्यकारिणी सदस्य रमेश कुमार चौधरी, उमाशंकर अग्रवाल, दीपक बजाज, श्याम सुंदर प्रसाद, अनिल जाजोदिया, परमानंद लाढ़िया, दिलीप खेतान, महेश पोद्दार, मनीष शाह, संदीप पहलादिका, राम बुबना, राजेश गट्टानी, सुरेश खंडेलवाल, समित जैन शामिल थे। समारोह का संचालन पराग मोदी एवं धन्यवाद ज्ञापन संयोजक राजेश गट्ठानी व राम बूबना ने किया।

खेली फूलों की होली : अंत में संस्था के सभी लोगों ने फूलों की होली खेली। साथ ही ठंडई का भी लुफ्त उठाया। कार्यक्रम में डॉ. बैजनाथ प्रसाद, डॉ. मनीष जिंदल, प्रेम मिश्रा, अशोक जायसवाल, महेश झुनझुनवाला, सुनील शर्मा, प्रमोद बजाज, मनीष लोहिया, पवन कुमार अग्रवाल, मनीष मिनोडिया, गौरीशंकर नेवर, सोमनाथ विश्वकर्मा, कौशल शर्मा, अवधेश खेमका सहित मारवाड़ी युवक संघ, महेश्वरी समाज, ब्राह्मण मंडल समाज, जैन समाज, जायसवाल समाज के लोग शामिल रहे।

समाचार सार

विस में देखी उद्यमियों ने विधानसभा की कार्यवाही

मर्चेंट्स चैंबर ऑफ उत्तर प्रदेश के ६० सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा के इतिहास को जाना और इसके साथ ही डिजिटल वीथिका को भी सराहा। शहर के उद्यमियों ने लखनऊ जाकर विधानसभा परिसर का भ्रमण किया। चैंबर के अध्यक्ष अतुल कानोडिया, संयोजक टीकम चंद सेठिया और समन्वयक विजय पांडेय के नेतृत्व में सदस्यों ने विधानसभा की कार्यवाही देखी। सदस्यों ने डिजिटल वीथिका को तो देखा, उसके इतिहास को भी समझा। उन्होंने वहाँ बने सेल्फी प्वाइंट पर फोटो भी खिंचवाई, वे विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से मिले और उनकी कार्यशैली की सराहना की। विस अध्यक्ष सतीश महाना का माला पहनाकर मर्चेंट्स चैंबर ऑफ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अतुल कनोडिया ने सम्मान किया। संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के काम को

बेहतर बताते हुए कहा कि "ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट की सफलता से प्रदेश, उत्तम प्रदेश बनने की ओर बढ़ रहा है।"

प्रादेशिक समाचार : झारखंड

पारसनाथ में प्रांतीय कार्यसमिति की बैठक एवं प्रमंडलीय अधिवेशन संपन्न

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय कार्य समिति की प्रथम बैठक एवं कोयलांचल प्रमंडलीय अधिवेशन गिरिडीह के धार्मिक स्थल मधुबन स्थित सम्मेद शिखरजी पारसनाथ के सिद्धायतन परिसर में संपन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल ने की तथा संचालन प्रांतीय महामंत्री रवि शंकर शर्मा ने किया। अधिवेशन में आए सभी आगंतुक अतिथियों का स्वागत एवं अभिनंदन प्रांतीय पदाधिकारियों ने स्मृति चिह्न, अंग वस्त्र एवं पुष्प गुच्छ देकर किया। अधिवेशन मे प्रांतीय महामंत्री ने मारवाड़ी सम्मेलन की क्रियाकलापों एवं कार्यो का प्रतिवेदन पेश किया एवं प्रांतीय कोषाध्यक्ष ने आय-व्यय का ब्यौरा दिया। संविधान संशोधन प्रस्ताव पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष विनय सरावगी ने प्रस्तुत किया। बैठक में सदस्यता विस्तार पर गहन चर्चा करते हुए प्रत्येक परिवार से एक सदस्य को सामाजिक संगठन में जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया तथा सदस्यता शुल्क की ५० रुपये की राशि जिलों को देने की स्वीकृति दी गई। मिलनी नेग के चार रुपया के स्थान पर दो अथवा बीस रुपए के दो सिक्को से लिफाफा बनाने और लागू करने को स्वीकृति दी गई।

प्रांतीय अध्यक्ष का दौरा

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री बसंत मित्तल एवं प्रंतीय कार्यालय मंत्री श्री श्याम सुंदर शर्मा ५ मार्च २०२३ को 'गिरिडीह जिला मारवाड़ी सम्मेलन' द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। गिरिडीह जिला द्वारा बहुत ही शानदार कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जिले के २५०० लोगों ने हिस्सा लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। ५ मार्च को फुसरी शाखा एवं बोकारो जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में प्रांतीय अध्यक्ष मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इसके उपरांत मारवाड़ी यूथ बिग्रेड, धनबाद द्वारा आयोजित होली मिलन समारोह में धनबाद जिले के पदाधिकारियों के साथ बतौर मुख्य अतिथि भाग लिया।

इस दौरे के दौरान अध्यक्ष श्री बसंत मित्तल जी ने रामगढ़ जिला, कुजू शाखा, हजारीबाग जिला, बेरमो शाखा और चास शाखा के मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों और सदस्यों के साथ मुलाकात कर विचार विमर्श किया।

धूमधाम से मनाया होली महापर्व

दुमका जिला मारवाड़ी सम्मेलन परिवार द्वारा पुनः छह सामाजिक संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय मारवाड़ी चौक पर होली पर्व मनाया गया। जिसमें सम्मेलन परिवार द्वारा गुलाल, लाइट, ठंडई एवं मारवाड़ी संगीत की व्यवस्था की गई थी। सभी माननीय संस्थाओं के सदस्यों ने आपस में मिलकर होली का पर्व मनाया।

प्रादेशिक समाचार : झारखंड

राजस्थान दिवस पर दिखी, राजस्थानी संस्कृति की झलक

राजस्थान प्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा 'आपणो राजस्थान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

साकची के धालभूम क्लब मैदान में राजस्थान दिवस पर दिखी राजस्थानी संस्कृति की झलक। जिला मारवाड़ी सम्मेलन के कार्यक्रम में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने कहा कि यहाँ आकर लगता है कि अब भी हम राजस्थान से दूर नहीं।

३० मार्च को पूर्वी सिंहभूम जिला मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा राजस्थान दिवस पर आयोजित 'आपणो राजस्थान' कार्यक्रम में राजस्थानी संस्कृति की झलक दिखी। गुरुवार की संध्या साकची स्थित श्री अग्रसेन भवन के सामने धालभूम क्लब मैदान में राजस्थान स्थापना दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान राजस्थान से आए लोक कलाकारों ने राजस्थानी पोशाक में गीत एवं नृत्य की प्रस्तुति देकर राजस्थान की संस्कृति को धालभूम क्लब मैदान में उतारा। इस दौरान कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ गणेश वंदना से करते हुए 'पधारो म्हारे देश' (पधारोसा) का संदेश दिया। उन्होंने म्हारो श्याम बसे खाटू माही.... चाँद चढ़ो गिरणार किरत्या..... ऊँचो घाल्यो पालणो यो....., थानै काजलियो बनाल्यु...., हो म्हारी घुमर छ नखराली...., घड़लो घड़े पर टोकली....., आंगणिये मे उड़े रे गुलाल...., ईश्वर जी तो पेंचो बांधे....., केसरिया बालम पधारो, धरती धोरा री, घूमर, पीली लुगड़ी बालम.... जैसे गीत प्रस्तुत किए। 'मोरिया आछयो बोल्यो रे' गीत पर मोर पंख से सजे नर्तक एवं नीली राजस्थानी पोशाक में नर्तकी ने प्रस्तुति से दर्शकों को खूब रिझाया। राजस्थानी संस्कृति की झलक दिखाते नृत्य की प्रस्तुति खास रही। रंगारंग कार्यक्रम का सफल संचालन कोलकाता से आई कलाकार ईशा शर्मा ने किया। सभी कलाकारों को दुपट्टा देकर सम्मानित किया गया। इससे पहले अतिथियों द्वारा संयुक्त रूप से कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित कर किया गया। मौके पर बतौर मुख्य अतिथि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया तथा सम्मानित अतिथि के रूप में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रदेश अध्यक्ष बसंत मित्तल, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष निर्मल काबरा, ओमप्रकाश अग्रवाल और राजकुमार केडिया राँची से पधारे प्रोफेसर ओम प्रकाश प्रणव, चण्डीप्रसाद डालमिया सहित कई अतिथि उपस्थित थे। सभी अतिथियों को साफा पहनाकर तथा ममेंटो देकर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया ने संस्कृति, सभ्यता और समृद्ध परंपराओं से जगमग शक्ति और भक्ति की भूमि राजस्थान के स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दी। उन्होंने कहा कि गौरवशाली इतिहास को खुद में समेटे राजस्थान की अपनी विविधता के लिए दुनिया भर में अलग पहचान है। मारवाड़ी समाज को यह पहचान बनाए रखना है।

आपणो राजस्थान कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मारवाड़ी सम्मेलन के जिलाध्यक्ष मुकेश मित्तल ने अपने स्वागत उद्‌गार में अपनी धरोहर तथा विरासतों को बचाने पर जोर दिया। उन्होंने विशेषकर झारखंड राज्य में रहने वाले राजस्थान के सभी लोगों को बधाई देते हुए आगे कहा कि संस्कृति, अतिथि सत्कार, पराक्रम, उद्यम और पर्यटन स्थल राजस्थान की पहचान है। कार्यक्रम का सफल संचालन करते हुए जिला महासचिव, सीए विवेक चौधरी ने राजस्थान की संस्कृति, संस्कार, रीति-रिवाजों परंपराओं को निभाने की अपील की। अंत में कोषाध्यक्ष मोहित शाह ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए वीरता, पराक्रम, कला व संस्कृति की पावन भूमि राजस्थान के स्थापना दिवस पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएँ दी। हजारों की संख्या में कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने भी रंग-बिरंगी राजस्थानी पोशाक में संस्कृति की छटा बिखेरी। साथ ही राजस्थान प्रदेश की मिट्टी में बसी स्वागत-सत्कार परंपरा को जीवंत कर दिया।

कार्यक्रम में शामिल तीन बच्चे, तीन महिलाएँ, तीन पुरुष और तीन युगल जोड़ी कुल १२ लोगों को सर्वश्रेष्ठ राजस्थानी ड्रेस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही मानगो निवासी दीपक अग्रवाल के पुत्र हरि अग्रवाल को भी सम्मानित किया गया। छात्र हरि ने राजस्थान स्थापना दिवस के अवसर पर चित्रकारी कर वीडियो बनाया था, जिसे सभी ने बहुत पसंद किया। अतिथियों द्वारा सभी को १० ग्राम का चांदी का सिक्का दिया गया।

पूरे कार्यक्रम को सफल बनाने में ओम प्रकाश रिंगसिया, उमेश शाह, अशोक मोदी, अरुण बाकरेवाल, अशोक खंडेलवाल, बजरंग लाल अग्रवाल, सांवरमल अग्रवाल, राजेश पसारी, बबलू अग्रवाल, आशीष खन्ना, पंकज छावछरिया, भोलानाथ चौधरी, विजय खेमका, मुकेश आगीवाल, लाला जोशी, विकाश सिंघानिया, सीताराम देबुका, अंकुश जवानपुरिया, बिमल अग्रवाल, महाबीर अग्रवाल, सुशील अग्रवाल, संजय शर्मा, दीपक चेतानी, प्रदीप गुप्ता, गौरव जवानपुरिया, अमन नरेड़ी, दीपक पटवारी, निशा सिंघल, मनीषा संघी, कविता अग्रवाल, उषा चौधरी समेत जिला की पूरी टीम का योगदान रहा।

प्रादेशिक समाचार : छत्तीसगढ़

शीतल पेय जल धारा, प्याऊ घर का शुभारंभ

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं रुद्रधारी मंदिर द्वारा प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी अग्रसेन चौक में अमृतधारा, निशुल्क प्याऊ घर का शुभारंभ संसदीय सचिव एवं विधायक विकास उपाध्याय के द्वारा किया गया।

विधायक विकास उपाध्याय जी ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन सदैव ही जनहित के कार्यों में समर्पित रहता है, ऐसे पुनीत कार्य करते देख मुझे बहुत हर्ष एवं गौरव का अनुभव होता है एवं जल सेवा को ही सबसे महत्वपूर्ण सेवा का स्थान प्राप्त है; ऐसे पुनीत कार्य पर मेरा स्नेह आप सबके साथ सदैव है।

उक्त कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ प्रदेश मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष पुरुषोत्तम सिंघानिया ने सबके प्रति आभार व्यक्त किया।

उक्त कार्यक्रम में रायपुर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष सूर्यमणि मिश्रा, स्वामी आत्मानंद, वार्ड पार्षद अमर बंसल एवं छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष पुरुषोत्तम सिंघानिया, कोषाध्यक्ष सुरेश चौधरी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य घनश्याम पोद्दार, गोविंद अग्रवाल, जोगी डागा, अजय अग्रवाल तायल, विकास अग्रवाल, अशोक जैन, रूपा मेहरिया, सुरेश अग्रवाल बालाजी, गोपाल अग्रवाल सीए, प्रवीण सिंघानिया, सौरभ केडिया, नवीन सिंघानिया, रवि सिंघानिया, नवीन भूषणया, अशोक गोयल, मधु सांवरिया सीए आदि उपस्थित थे।

प्रादेशिक समाचार : कर्नाटक

रंगारंग कार्यक्रम के साथ गणगौर पूजा संपन्न

कर्नाटक मारवाड़ी सम्मेलन, महिला परिधि का गणगौर कार्यक्रम अग्रसेन भवन, जयनगर में आयोजित किया गया। गणगौर पूजा में २५० से भी अधिक महिलाओं ने गौर माता की पूजा की और अखंड सुहाग का आशीर्वाद लिया। गणगौर पूजा प्रातः ८ बजे से शुरु हुआ और रंगारंग कार्यक्रम और पारंपरिक राजस्थानी भोजन के साथ अपराह्न २ बजे समाप्त हुआ। कर्नाटक मारवाड़ी सम्मेलन के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। साथ में संस्था के उपाध्यक्ष ओम प्रकाश पोद्दार, रमेश भाउवाल भी उपस्थित थे। अरुण खेमका भी अपनी टीम के साथ उपस्थित थीं। मैसूर से डॉ. विजयलक्ष्मी जो वर्ष २०२३ की मिस कर्नाटक और मिस इंडिया हैं, कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रहीं। ऑनलाइन व ऑफलाइन प्रतियोगिता को जज करने के लिए मधु अग्रवाल व शिखा अग्रवाल उपस्थित थीं। महिला परिधि की पूरी टीम, सलाहकार मंजू अग्रवाल, कोषाध्यक्ष हेमलता सांवरिया ने कार्यक्रम की संयोजक लता चौधरी, पल्लवी पोद्दार, निर्मला गुप्ता व निधि चौधरी के साथ मिलकर पूरी बागडोर संभाली। महिला परिधि की अध्यक्षा माया अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित किया व सबके सम्मान में दो शब्द कहते हुए सबका स्वागत किया। महिला परिधि की सचिव शालिनी अग्रवाल ने सबका धन्यवाद करते हुए कार्यक्रम का समापन किया।

हार्दिक बधाई!

सिक्किम की १५,१०० फिट ऊँची चोटी पर तिरंगा फहराने व माँ रानी सती की मूर्ति स्थापित करने वाली पुणे निवासी, ४१ वर्षीया श्रीमती प्रियंका लाठ जो दो बच्चों की माँ हैं को हार्दिक बधाई। आप इसके पहले भी ४ विभिन्न जगहों पर ट्रैकिंग कर चुकी हैं। श्रीमती लाठ उत्तराखंड प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संस्थापक अध्यक्ष श्री रंजीत जालान जी की सुपुत्री हैं। हमें गर्व है, हमारे समाज की ऐसी बहन-बेटियों पर।

पदग्रहण एवं होली मिलन समारोह संपन्न

अग्रवाल बारातघर उखरी रोड पर म. प्र. मारवाड़ी सम्मेलन का पदग्रहण समारोह एवं होली मिलन समारोह उत्साहपूर्वक मनाया गया। १०० से भी अधिक सम्मेलन के महिला-पुरुष सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। तत्पश्चात स्वागत उद्बोधन सम्मेलन के पूर्व प्रांत अध्यक्ष श्री अरुणकांत अग्रवाल जी द्वारा दिया गया। उन्होंने कहा कि "छोटे-छोटे कार्य के अलावा हमें बड़े कार्य, परोपकार के कार्य करने चाहिए। फंड बढ़ाने हेतु स्मारिका का प्रकाशन करना चाहिए।" सम्मेलन के पूर्व अध्यक्ष (एडवोकेट) श्री गणेश नारायण पुरोहित जी ने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलाई। उन्होंने सभी से अपने-अपने कार्य को ईमानदारी पूर्वक निर्वहन करने की सलाह दी। निवर्तमान प्रांत अध्यक्ष श्री कमलेश नाहटा ने सम्मेलन की सफल यात्रा पर विस्तार से प्रकाश डाला एवं नई टीम की सफलता की कामना के साथ उन्हें पूर्ण सहयोग प्रदान करने की बात कही।

भगवान महावीर के जन्म कल्याणक महोत्सव पर अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन, कटनी शाखा द्वारा मिष्ठान वितरित किया गया

श्यामसुन्दर जेठा प्रादेशिक महामंत्री निर्वाचित

जबलपुर, माहेश्वरी समाज, जबलपुर के वर्तमान अध्यक्ष श्री श्यामसुंदर माहेश्वरी (जेठा) को सत्र २०२३-२६ हेतु माहेश्वरी समाज की प्रदेश स्तरीय संस्था म. प्र. पूर्व क्षेत्रीय प्रादेशिक माहेश्वरी सभा हेतु निर्विरोध महामंत्री निर्वाचित किया गया है। वर्तमान में आप श्री राजकुमारी बाई बाल निकेतन के सचिव एवं म. प्र. मारवाड़ी समाज के प्रांतीय महामंत्री भी हैं तथा पूर्व में रोटरी क्लब जबलपुर के पूर्व अध्यक्ष एवं रोटरी डिस्ट्रिक्ट ३२६१ में असिस्टेंट गवर्नर पद पर भी रह चुके हैं।

माहेश्वरी समाज, मारवाड़ी समाज, रोटरी क्लब, श्री राजकुमारी बाई बाल निकेतन के सदस्यों ने निर्विरोध निर्वाचन पर हर्ष व्यक्त किया।

रेलवे स्टेशन पर शीतल पेय वितरित

म.प्र. प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, जय जिनेन्द्र सेवा समिति और जैन सोशल ग्रुप के सोशल तत्वावधान में महावीर जयंती के अवसर पर रेलवे स्टेशन पर शीतल पेय वितरित किया गया। जो दोपहर १ बजे से सायं काल ५ बजे तक हर आने-जाने वाली ट्रेन में समिति के सदस्यों द्वारा यात्रियों को वितरित किया।

इस अवसर पर म. प्र. प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांत अध्यक्ष श्री विजय सकलेचा, पूर्व प्रांत अध्यक्ष श्री कमलेश नाहटा, प्रदेश महामंत्री श्री श्यामसुंदर माहेश्वरी, जय जिनेंद्र सेवा समिति और जैन सोशल ग्रुप के अध्यक्ष श्री मयूर संघवी एवं श्री तपस्वीलाल बागमार, श्री रमेश खंडेलवाल, श्री कृष्णकुमार अग्रवाल, श्री पी. के. अग्रवाल, श्री कैलाश अग्रवाल (बब्बा जी), श्री दिलीप अग्रवाल, गौतम बोथरा, दीपक गोलछा, सिद्धांत दुबे, राजेन्द्र चौपड़ा, प्रकाश पोकरणा, प्रभात जैन, पदम चौपड़ा आदि उपस्थित थे। आभार प्रदर्शन प्रांतीय महामंत्री श्री श्यामसुंदर माहेश्वरी द्वारा किया गया।

गणगौर महोत्सव पर निकली भव्य शोभायात्रा

मारवाड़ी समाज द्वारा विविध कार्यक्रमों का आयोजन

प्रभु श्री ईश्वरदास जी एवं गोरा मेधा जी के गणगौर महोत्सव के उपलक्ष्य में भव्य गणगौर शोभा यात्रा राजस्थान महिला मंडल कटनी, राजस्थान ट्रस्ट कमेटी, अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन कटनी, मारवाड़ी युवा मंच कटनी, गत शाम ४ बजे राजस्थान विवाह भवन से प्रारंभ हुई, जिसमें अनेक समाजसेवी संस्था और लोगों द्वारा शोभायात्रा का स्वागत किया गया। इसी कड़ी में राजस्थान भवन में राजा सरावगी मारवाड़ी सेवा मंच के अध्यक्ष राज किशोर पोद्दार द्वारा कारगिल चौक पर मारवाड़ी ब्राह्मण समाज द्वारा, ज्वाला चकी में चमड़िया परिवार, टॉकीज रोड में तोला सरिया परिवार द्वारा, सुभाष चौक मोड़ पर श्री प्रकाश बजाज द्वारा, कपड़ा बाजार में मंजूश्री परिवार द्वारा, होटल सत्कार के सामने सकल दिगंबर समाज समिति कटनी द्वारा, सराफा बाजार में अरुण गोयनका, बलराम खेड़िया, सत्यनारायण अग्रवाल परिवार द्वारा, खेरमाई मढिया के पास दिगंबर जैन सोशल रुप रॉयल द्वारा, पुरानी बस्ती में बधाई उत्सव कमेटी द्वारा, गरोई धर्मशाला के पास श्री दूध डेयरी में मार्निंग वाक् द्वारा, खंडेलवाल समाज के द्वारा अत्यधिक पुष्प वर्षा सहित गणगौर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। शोभायात्रा आजाद चौक, धनवंतरी बाई स्कूल से होते हुए राम मंदिर मसुराघाट में संपन्न हुई।

राजस्थान विवाह भवन में गणगौर माता पूजन की व्यवस्था की गई थी, जिसमें सुबह से ही मारवाड़ी महिलाओं का पूजन के लिए ताता लगा रहा। पति की दीर्घायु की मनोकामना के लिए गणगौर महोत्सव गण (शिव) तथा गौर (पार्वती) के इस पर्व में कुंवारी लड़कियाँ मनपसंद वर पाने की कामना करती हैं। विवाहित महिलाएँ चैत्र शुक्ल तृतीया को गणगौर पूजन तथा व्रत कर अपने पति की दीर्घायु की कामना करती हैं। होलिका दहन के दूसरे दिन चैत्र कृष्ण प्रतिपदा से चैत्र शुक्ल तृतीया तक १८ दिनों तक गणगौर चलने वाला त्योहार है।

राजस्थानी महिला मंडल की अध्यक्ष सुनीता रमेश अग्रवाल, संगीता बजाज, शैल बगड़िया, कृष्णा सरावगी, मंजू तोला सरिया, सपना सरावगी, संतोष बजाज, लता बजाज, मधु शर्मा, अलका सरावगी, किरण पोद्दार, अर्चना तोला सरिया, वंदना सरावगी, विमला अग्रवाल, हर्षा खंडेलवाल, प्रभा चौधरी, वीणा बजाज, सारिका अग्रवाल, रेखा गोयनका, सरिता बजाज व महिला मंडल की सभी सदस्य, प्रवीण बजाज अध्यक्ष राजस्थान ट्रस्ट कमेटी, भगवानदास महेश्वरी, सुशील शर्मा, कृष्ण शर्मा, राजू अग्रवाल, प्रदीप मित्तल (माइंस वाले), राजेन्द्र खंडेलवाल, पंकज शर्मा, संपत गट्टानी, सुरेश अग्रवाल, अजय सरावगी, संजय शर्मा, रमेश अग्रवाल, दीपक सरावगी, विजय गाड़ोदिया, हरीश बजाज, नरेश पोद्दार, अभिनंदन सरावगी, रघुनंदन गोयल, टिंकू सिंघानिया, मोहन बजाज, गोपाल गट्टानी, वैंकट सोमानी, पप्पू चमड़िया, मधुसूदन बजाज, राम गोपाल बजाज, मधूसूदन बगड़िया, नरेश गोलछा आदि समाज के गणमान्य शोभायात्रा में शामिल होकर सम्मान बढ़ाया।

मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के कटनी शाखा अध्यक्ष शरद सरावगी व समस्त सदस्यगण, मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष आशीष बजाज, मारवाड़ी युवा मंच से श्रेया चमड़िया, अंकुर चमड़िया, वेदांत गाड़ोदिया, मेहुल मित्तल, आदित्य सरावगी, सुमित बजाज, अनीशा सरावगी, डॉक्टर दिशा सरावगी, यस अग्रवाल, दिव्यांशु शर्मा, मौसम सरावगी, शिवम गोयनका, कृष्णा खंडेलवाल, तनुज बजाज, शशांक बजाज, आयुष सरावगी, अखिल सरावगी, पंकज बजाज (वंदना साड़ी), पीयूष सरावगी, आयुष सरावगी, पारस सरावगी सभी मारवाड़ी समाज के सम्माननीय जनों एवं मातृ शक्तियों ने अधिक से अधिक संख्या में इसमें सहभागिता की। सामाजिक-धार्मिक संस्थाओं ने शोभायात्रा का स्वागत कर इसका गौरव बढ़ाया इस पर मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के कटनी शाखा अध्यक्ष शरद सरावगी ने सभी के प्रति आभार प्रकट किया।

प्रादेशिक समाचार : बिहार

मारवाड़ी सम्मेलन की नई समिति गठित

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, दरभंगा शाखा की आमसभा रविवार को पोद्दार विवाह भवन, सुभाष चौक में शाखा के वरीय उपाध्यक्ष पवन बगड़िया की अध्यक्षता में हुई। इसमें सर्वसम्मति से नई समिति का गठन किया गया।

इसमें शाखा उपाध्यक्ष सत्यनारायण भरतिया, अनूप शर्मा, संरक्षक सदस्य रतन कुमार खेड़िया, वरीय सदस्य शिव भगवान गुप्ता, डॉ. सुशील कुमार, श्याम सुन्दर शर्मा, ओम प्रकाश सराफ आदि ने विचार रखे। शाखा मंत्री आतम प्रकाश सराफ ने विगत सत्र के शाखा कार्यो से अवगत कराया। कोषाध्यक्ष गोपाल खेतान ने सत्र २०२१-२३ के आय-व्यय ब्योरा प्रस्तुत किया जिसे पारित किया गया।

मुक्तिधाम के संयोजक नीरज खेड़िया ने अभी तक के आय-व्यय का ब्योरा रखा। साथ ही आगामी योजना के बारे में बताया।

सत्र २०२३-२५ के लिए नई समिति बनाने का प्रस्ताव पूर्व महापौर अजय कुमार जालान ने रखा। सर्वसम्मति से अध्यक्ष नीरज कुमार खेड़िया, मंत्री गोपाल खेतान एवं कोषाध्यक्ष विजय कुमार अग्रवाल को बनाया गया। नई समिति को श्याम सुंदर शर्मा, डॉ. सुशील कुमार, डॉ. योगेश खेतान, प्रमोद स्वाईका, मुकेश पोद्दार, विकास पोद्दार, राजकुमार सरावगी, राकेश केजरीवाल आदि ने शुभकामनाएँ दी।

मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा गीता प्रेस का शताब्दी समारोह संपन्न

दिनांक १९ मार्च २०२३ रविवार को शाम ३.३० बजे चेन्नई के अग्रवाल विद्यालय वेपेरी के पावन प्रांगण में तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन के तत्वावधान में गीता प्रेस शताब्दी समारोह बड़े ही धूमधाम से संपन्न हुआ। गीता प्रेस स्थापना के १०० वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सम्मेलन ने डीजी वैष्णव कालेज में एक प्रतियोगिता का आयोजन किया था, जिसमें गीता श्लोंकों का पाठ, फैंसी ड्रेस, एवं निबंध प्रतियोगिता शामिल थी। विजेता विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। लगभग ३५ छात्रों को पुरस्कार वितरित किया गया।

तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री विजय कुमार गोयल ने सभा का स्वागत किया तथा गीता प्रेस का संघर्षमय इतिहास बताया। सम्मेलन के निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार मूँधड़ा की सेवा की प्रशंसा की। श्री अशोक केडिया जी ने पुरस्कार वितरण की पूरी जिम्मेदारी निभाई। मुख्य अतिथि श्रीमति प्रेमा कृष्णमूर्थी जी ने हिंदी, अंग्रेजी एवं संस्कृत में दिए अपने वक्तव्य में सभी को गीता प्रेस की पुस्तकों को खरीदने एवं पढ़ने का निवेदन किया। गीता प्रेस शताब्दी समिति के संयोजक श्री बृज खंडेलवाल, पी मारुति और सम्मेलन के श्री अनुराग माहेश्वरी ने भी दर्शकों को गीता प्रेस की उपयोगिता बताई। धन्यवाद ज्ञापन श्री अमित कुमार माहेश्वरी ने किया।

पुरस्कार वितरण के बाद उपस्थित भक्तों के बीच श्री राधेश्याम मूँधड़ा एवं उनकी टीम ने संगीतमय सुंदरकांड पाठ की प्रस्तुति की, जो बेहद आकर्षक, कर्णप्रिय एवं मनमोहक रहा। सभी श्रोता भाव-विभोर हो गए। सुंदरकांड पाठ में राधेश्याम मूँधड़ा, अशोक कुमार मूँधड़ा, राजेश मूँधड़ा, विनोद द्वारकानी, महेश जी दमानी एवं उनकी पूरी टीम शामिल रही। अंत में सभी ने महाप्रसादी का लाभ प्राप्त किया।

कृत्रिम अंग वितरण शिविर का आयोजन

तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा ०५ फरवरी २०२३ को एक कृत्रिम अंग वितरण शिविर का आयोजन किया गया। श्री विजय कुमार गोयल जी, अध्यक्ष तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन ने सभी का स्वागत किया एवं सम्मेलन की गतिविधियों की जानकारी दी। मुख्य दानदाता एस. सी. अग्रवाल चेरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टी ने बताया कि कैसे ट्रस्ट पिछले १५ सालों से यह सेवा तमिलनाडु में दे रहा है, जहाँ ५२०० कृत्रिम अंग वह भी एकदम फ्री दिए जा चुके हैं।

श्री संजीव अग्रवाल परियोजना चेयरमैन ने कृत्रिम अंग वितरण शिविर पर एक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि आज हम ४२ दिव्यांगों को ५२ कृत्रिम अंग दे रहे हैं और यह सभी मुख्य दानदाता श्री एस. सी. अग्रवाल चेरिटेबल ट्रस्ट ने फ्री में दिए हैं।

एक १४ वर्षीय दिव्यांग बच्चे के लिए जयगोपाल गाड़ोदिया फाउंडेशन की ओर से एक विशिष्ट व्हील चेयर बनवाकर दी गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि IAS श्री के. नानदेशीकण जी (TN रियल एस्टेट ऑथोरिटी के चेयरपर्सन) ने सभा को संबोधित करते हुए तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन के प्रयासों की सराहना की और एस. सी. अग्रवाल चेरिटेबल ट्रस्ट की तमिलनाड़ में की जा रही इस सेवा की भूरिभूरि प्रशंसा की। विशिष्ट अतिथि डी. जी. वैष्णव कॉलेज के प्राध्यापक डॉ संतोष बाबू ने भी श्री एस. सी. अग्रवाल की सामाजिक सेवाओं की तारीफ की और सम्मेलन को और अधिक कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में डी. जी. बैष्णव कॉलेज की एन. एस. बिंस की ओर से श्री उमापति

एवं कल्पना जी को सम्मानित किया गया और एन. एस. एस. विंग के छात्रों के प्रयासों को सराहा गया। तमिलनाडु मारवाड़ी सम्मेलन के महासचिव श्री मुरारी लाल जी सोनवलिया ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के सह-संयोजक अजय नाहर ने मंच संचालन किया। समूचे तमिलनाडु से दिव्यांग आए और उन्हें कैलिपर्स, व्हीलचेयर और अन्य कृत्रिम अंग के साथ-साथ खाने के पैकेट भी वितरित किए गए।

कार्यक्रम में सम्मेलन के कोषाध्यक्ष श्री मोहनलाल जी बजाज, श्री अशोक जी मूँधड़ा, अशोक जी केडिया, श्री राम अवतार रूंगटा, श्री विजय जी लोहिया, श्री अशोक जी लखोटिया, श्री मनोज जी अध्यक्ष, हिंदी विभाग एस. सी. अग्रवाल ट्रस्ट के ट्रस्टियों आदि का विशेष सहयोग रहा।

समाचार सार

उत्तर प्रदेश प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच की
पहली महिला अध्यक्ष बनीं श्रीमती नेहा अग्रवाल

दो दिवसीय उत्तर प्रदेश प्रांत के प्रांतीय अधिवेशन के प्रथम दिन प्रांतीय सभा का आयोजन गोरखपुर में किया गया। इस दौरान अगले कार्यकाल के प्रांतीय अध्यक्ष का भी चुनाव संपन्न हुआ। चुनाव में दो उम्मीदवार थे। रीसिया शाखा की नेहा अग्रवाल को ७० और बनारस की स्मिता लोहिया को १३ वोट मिले। नेहा अग्रवाल अगले सत्र के लिए प्रांतीय अध्यक्ष निर्वाचित हुई आपको बताते चलें कि नेहा अग्रवाल के रूप में उत्तर प्रदेश प्रांत को पहली महिला प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच की अध्यक्ष मिली हैं। वहीं, मंडलीय अध्यक्ष निर्विरोध निर्वाचित हुए। जिनसे मंडल क से पंकज टेकड़ीवाल, मंडल ख से पंकज अग्रवाल, मंडल ग से नीलम जैन, मंडल घ से अनुराग अग्रवाल, मंडल ङ से कैलाश मित्तल मंडलीय अध्यक्ष बने।

चुनाव अधिकारी संदीप सर्राफ ने विजयी उम्मीदवारों को सर्टिफिकेट प्रदान किए। पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष संतोष अग्रवाल ने नवनिर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इसके पश्चात नव निर्वाचित प्रांतीय अध्यक्ष नेहा अग्रवाल ने अपने मंडलीय अध्यक्षों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

अधिवेशन के मुख्य अतिथि पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, विशिष्ट अतिथि गोरखपुर सांसद रवि किशन शुक्ला तथा राज्यसभा सांसद डॉक्टर राधा मोहन दास अग्रवाल उपस्थित रहे।

इस कार्यक्रम में प्रदेश भर से ७५ शाखाओं के काफी संख्या में पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे। इस अवसर पर प्रांतीय महामंत्री अखिलेश अग्रवाल को प्रदेश का 'सेवा शिरोमणि' पुरस्कार भी दिया गया तथा सभी शाखाओं को मिलाकर उनके सेवा कार्य हेतु २५० पुरस्कार भी बाँटे गए।

ओम प्रकाश खंडेलवाल को डॉक्टरेट की मानद उपाधि

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष जाने-माने व्यवसायी तथा समाजसेवी ओम प्रकाश खंडेलवाल को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली के लोधी रोड स्थित इंडिया हैबीटेट सेंटर के गुलमोहर प्रेक्षागृह में रविवार को आयोजित समारोह में अमेरिका की 'मेरीलैंड स्टेट यूनिवर्सिटी' की ओर से समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए ओमप्रकाश खंडेलवाल को इस उपाधि से अलंकृत किया गया। बता दे कि कई दशकों से श्री खंडेलवाल समाज सेवा के कार्यों में मन, वचन, कर्म से लगे हुए हैं।

श्री ओम प्रकाश खंडेलवाल को डॉक्टरेट की उपाधि मिलने पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन परिवार की ओर से हार्दिक बधाई। सम्मेलन परिवार आपकी इस उपलब्धि पर गर्वावित महसूस कर रहा है।

प्रेमलता खंडेलवाल 'खंडेलवाल मणि' अवार्ड से हुई सम्मानित

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर बृहत्तर खंडेलवाल समाज संगठन द्वारा साहित्य के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ कविता के लिए प्रेमलता खंडेलवाल को साहित्य रत्न की तरह 'खंडेलवाल मणि' अवार्ड से सम्मानित किया गया। मालूम हो कि महान कवि संत कबीर दास के काल में खंडेलवाल समाज में संत सुंदरदास महान संत हुए थे। संगठन की तरफ से आयोजित प्रतियोगिता में संत के जीवन पर प्रेमलता खंडेलवाल ने तत्काल कविता लिखकर कोरोना काल में भेजा। उसके बाद उस कविता का पाठ कर वीडियो बनाकर भी भेजा गया था। मालूम हो कि श्रीमती खंडेलवाल को समाजसेवा, धर्म एवं राजनीति में कई पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। गोलाघाट साहित्य सभा तथा डॉ. अंबेडकर संस्थान से साहित्य में 'लाइफटाइम अचीवमेंट' अवार्ड से भी श्रीमती खंडेलवाल सम्मानित हो चुकी हैं।

Apollo
TOUCHING LIVES

Certificate No. : M-0342
NABL Accredited

Apollo Clinic
Expertise. Closer to you.

P-72, Prince Anwar Shah Road, Opp. South City Mall, Kolkata-700 045
Tel. : 4021-2525-55, E-mail : pashahroad@theapolloclinic.com

SERVICES AT A GLANCE

- Laboratory Services - Advanced Automatic Equipments
- Radiology
  - MRI / CT / Scan | - Digital X-Ray
  - Ultrasonography | - Colour Doppler Study
- Cardiology
  - ECG | - Echo-Cardiography
  - Echo-Colour Doppler | - Holter Monitoring
  - Treadmill Test (TMT)
- Wide Range of Pathology
- Pulmonary Function Test
- UGI Endoscopy / Colonoscopy
- Physiotherapy
- EEC / EMG / NCV
- General & Cosmetic Dentistry
- Elder Care Service
- Sleep Study (PSG)
- EYE / ENT Care Clinic
- Gynae and Obstetric Care Clinic
- Haematolgy Clinic
- Personalised Care (Injection, Dressing, ECG etc.) at your doorstep
- Health Check-up Packages
- Online Reporting
- Report Delivery

Home Blood Collection

(033) 4021-2525, 97481-22475

98301 96659

Consultation I Diagnostics I Dentistry I Health Checks

Yours Tastefully
Anmol
हर पल अनमोल
हर घर अनमोल
www.anmolindustries.com | Follow us on:

समाचार सार

उपचार केंद्र का मंत्री व सांसद ने किया शुभारंभ

टिटिलागढ़ थाना पार्श्वा स्थित गुजराती स्कूल परिसर में रविवार सुबह १०.३० बजे नए शहरी स्वास्थ्य व उपचार केंद्र का उद्घाटन किया गया। समारोह में अतिथि के रूप में जल संसाधन, वाणिज्य और परिवहन मंत्री टुकुनी साहू, बलांगीर सांसद संगीता सिंह देव, टिटिलागढ़ नगर परिषद अध्यक्ष ममता देवी जैन, जिला स्वास्थ्य अधिकारी प्रदीप कुमार गुरु, टिटिलागढ़ उपजिला दयामयी पाढ़ी, राजस्थानी हेल्थ फाउंडेशन के चेयरमैन जगदीश शर्मा, कोषाध्यक्ष भिकमचंद जैन मंचासीन रहे। अतिथियों ने स्वास्थ्य केंद्र का भ्रमण कर फीता काटने के बाद बैठक का कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि टुकुनी साहू ने कहा कि इस स्वास्थ्य केंद्र से लोगों को इलाज मिल सकता है और दावा किया कि टिटिलागढ़ में केंद्रीय विद्यालय बहुत महत्वपूर्ण है।

इसी तरह सांसद संगीता सिंहदेव ने राजस्थानी हेल्थ फाउंडेशन की टीम को धन्यवाद दिया और केंद्र की आयुष्मान भारत योजना को ओडिशा राज्य में लागू करने का मुद्दा उठाया। ममता जैन ने कहा कि टिटिलागढ़ में डॉक्टरों की भारी कमी है और कहा कि यह उपचार केंद्र मरीजों के लिए बहुत उपयोगी होगा। फाउंडेशन के जगदीश शर्मा ने कहा कि केंद्र पर सभी प्रकार के मरीजों की निःशुल्क देखभाल की जाएगी और समय-समय पर प्रमुख अस्पतालों के विशेषज्ञ की टीम यहाँ मेगा कैंप भी लगाएगी। इस अवसर पर फाउंडेशन की ओर से एसडीएमओ डॉ. नायक, ईओ बिपिन दीप, डीपीएस आदि को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर मद्यपान करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्री-वेडिंग शूट हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।

समाजहित में इनसे परहेज करें।

निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

दिल्ली पहुँचे अ.भा.मा.स. के पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री कैलाशपति तोदी जी का स्वागत करते अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रवि अग्रवाल जी।

अस्पताल परिसर में भोजन वितरित

मारवाड़ी सम्मेलन के बलांगीर जिला के पूर्व जिलाध्यक्ष स्व. हरि नारायण जैन जी की ८वीं पुण्यतिथि के अवसर पर भीमभोई मेडिकल कॉलेज परिसर में भोजन खिलाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित स्थानीय विधायक श्री नरसिंह मिश्र जी ने अपने वक्तव्य में कहा कि नर सेवा ही नारायण सेवा है। ऐसे सामाजिक कार्यक्रम होते रहने चाहिए। सम्मेलन के सि पहल की उन्होंने भूरि-भूरि प्रशंसा की। गोसला के अध्यक्ष नरेन्द्र जैन जी, राम मंदिर के अध्यक्ष ओम प्रकाश काउंटीया जी, सम्मेलन के उपाध्यक्ष विकास अग्रवाल जी, बाबुलाल खेडिया, राजकुमार मोदी, संतोष जैन, पियूष अग्रवाल, राजेश अग्रवाल, राजा जैन आदि मौजूद थे।

सम्माननीय उपराष्ट्रपति रामसहाय प्रसाद यादव जी काठमांडू में एक समारोह के बीच नारायण रेकी सत्संग परिवार की 'राज दीदी' का सम्मान करते हुए।

आलेख

सामाजिक कार्यों में सेवा समर्पण एवं पारदर्शिता की आवश्यकता

किसी भी समाज के शिखर पर पहुँचने से राष्ट्र, समाज व परिवार उन्नत होता है। यह तभी संभव है जब समाज के व्यक्ति संकल्पित होकर समाज के विकास के लिए बिना किसी स्वार्थ के समाज सेवा में जुट जाएँ, तभी समाज विकास व उन्नति की ओर अग्रसर होता है। आज प्रत्येक व्यक्ति की उन्नति में उसके परिवार का योगदान प्रत्यक्ष रूप से कोई नकार नहीं सकता। इसी प्रकार से समाज का योगदान भी परोक्ष रूप से देखने में आता है। आज प्रत्येक परिवार अपने समाज के साथ जुड़ा है। अपने समाज से अलग रहकर परिवार जीने की सोच भी नहीं सकता। परिवार के साथ-साथ समाज के लोग भी सुख-दुख में कंधे से कंधा मिलाकर साथ खड़े होते हैं। छोटे-बड़े पारिवारिक आयोजनों में जन्म से लेकर मृत्यु तक समाज के लोगों को साथ लेकर चलना पड़ता है। समाज के लोगों के शामिल हुए बिना कोई भी पारिवारिक समारोह और अनुष्ठान अधूरे लगते हैं। सभी समाज के लोग एक-दूसरे के काम आते हैं। जैसे शादी -विवाह हो, तीज-त्यौहार हो, मरना-जीना हो या सामाजिक व धार्मिक अनुष्ठान हो। ये सभी समारोह सामाजिक व्यवहार और लोकाचार के होते हैं, जो समाज के लोगों के सम्मिलित हुए बिना पूरे नहीं लगते।

अतः समाज का योगदान भी हमारी उन्नति और तरक्की में अप्रत्यक्ष रूप से समाहित है। इसको कोई भी नकार नहीं सकता। इस प्रकार प्रत्येक परिवार किसी न किसी रूप में अपने समाज के साथ जुड़ा होता है। आर्थिक रूप से संपन्न प्रतिष्ठित और सक्षम व्यक्तियों से समाज और राष्ट्र को काफी अपेक्षाएँ होती हैं।

समाज को ऐसे लोगों के योगदान को कभी नहीं भूलना चाहिए। विभिन्न क्षेत्रों में समाजहित में किए गए कार्यों की, ऐसे व्यक्तियों को मान्यता व स्वीकृति अवश्य मिलनी चाहिए। सामाजिक संगठनों को उनका सम्मान अभिनंदन अवश्य करना चाहिए। व्यक्ति के समर्पण की भावना का स्वागत करना और उसे उचित प्रतिष्ठा प्रदान करना ही समाज के हित में है। ये सम्मान दूसरों के लिए प्रेरणा का आधार बनता है और उत्साहित भी करता है। सम्मान अभिनंदन किसी व्यक्ति का नहीं, ये सम्मान है उस व्यक्ति की सही सोच का और उसके समर्पण की भावना का। हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि केवल आर्थिक संपन्नता ही समाज के लिए प्रतिष्ठा और सम्मान का मापदंड नहीं होना चाहिए। ऐसा भी देखने को मिला है कि सीधे-साधे, सादगी पूर्ण जीवन जीने वाले व्यक्ति आर्थिक रूप से कमजोर होने पर भी समाज के लिए समर्पण की भावना रखते हैं। ऐसे व्यक्तियों के योगदान से भी हम अत्यधिक गौरवान्वित होते हैं, जो समाज के हित की रक्षा के लिए समाज सेवा में समर्पित रहते हैं।

समाज में काम करना है तो पारदर्शिता होना जरूरी है। समाज में कार्य सेवा भावना से किया जाता है। आगे भी उसी व्यक्ति को आना चाहिए जिसके पास सेवा करने का समय हो, सक्षम हो तथा मन, वचन, कर्म से समाज के प्रति विनम्र एवं समर्पित हो। हम केवल सामाजिक पद प्राप्त तो कर लेते हैं, किंतु समाज को सही दिशा देने की, समाज को आगे बढ़ाने की मन में भावना नहीं हो तो फिर ऐसे पदों का कोई महत्व नहीं रहता है। इसी तरह समाज में सामाजिक संगठनों, शैक्षणिक व धार्मिक संस्थाओं के विकास हेतु मतांतर व आपसी मनमुटावों के चलते समाज के लोग आपस में बँट जाते हैं। आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू होता है, समाज में धीरे-धीरे निष्क्रियता आ जाती है।

कई नेतृत्व में रहने वाले व्यक्ति ऐसे भी होते हैं जो केवल अपनी हाँ; में हाँ मिलाने वाले को साथ में रखते हैं, लेकिन अपनी कार्यशैली से समाज का विकास करना हैं तो पारदर्शिता जरूरी है। सामाजिक संगठनों में समाज के अनेक मनमुटाव देखे हैं, उसका मूल कारण है पारदर्शिता का नहीं होना और साथ ही इगो की समस्या। इससे परिवार व समाज में दरार का निर्माण होने लगता है, अगर हमें अपने समाज का विकास देखना है तो इगो की समस्या एवं आपसी मनमुटावों को अलग रखकर सबको साथ लेकर विश्वास व आपसी भाईचारे के साथ समाज सेवा कार्य करें तो समाज का विकास अवश्य होगा व आपसी एकता, प्रेम व सद्भावना बढ़ेगी।

समाज सेवा की बात आई तो समाज सेवा करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को अपने भीतर भी झांकते रहना चाहिए। उपलब्धियों से कभी-कभी व्यक्ति के भीतर अहं जागृत हो जाता है कि मैंने यह सब कुछ किया है। समर्पित भाव से कार्य करने वालों में भी आत्मप्रशंसा के भाव आ जाते हैं। समाज का कार्य करने वालों में कुछ ऐसे भी होते हैं जो स्वयं तो कुछ नहीं करते, परंतु दूसरे के कार्यों की आलोचना कर स्वयं को श्रेष्ठ साबित करने की कोशिश करते हैं। समाज के मंचों पर अनेक वादे व घोषणाएँ कर देते हैं, तालियाँ बजवा लेते हैं और असलियत कुछ और ही होती है। ऐसे लोगों से संगठन व समाज को सदैव हानि उठानी पड़ती है।

समाज का कार्य करने वालों को अहंकार रहित होना चाहिए, यह असंभव नहीं तो कठिन जरूर है। समाज के कई कार्यक्रमों, सभाओं में लोग एक-दूसरे की टाँग खींचते नजर आते हैं, उद्देश्य तो समाज हित में कार्य करना होता है, कोई भी यह नहीं सोचता कि जो कुछ करने जा रहे हैं वह समाज के लिए ही तो कर रहे हैं। कौन ऐसा व्यक्ति है जिसको अपनी बुराई सुनकर क्रोध नहीं आता है, लेकिन इससे भी मुश्किल है कि अपनी प्रशंसा सुनकर अहं का भाव न आने देना। अतः सामाजिक कार्य करने वाले व्यक्तियों को निःस्वार्थ भावना के साथ समाज सेवा में रहकर अहं के भाव को तिलांजलि देते हुए आलोचना से ऊपर उठकर अपनी सकारात्मक सोच के साथ समाज सेवा में योगदान देना चाहिए तभी समाज, राष्ट्र व परिवार उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर होता रहेगा।

अपने धर्म ग्रंथों में कार्य को सबसे ऊँची पूजा व उपासना बताया गया है। आज समाज में जो भी लोग संपन्न हैं, सक्षम हैं समाज से जुड़ी सभी सामाजिक, शैक्षणिक व धार्मिक संस्थाओं के साथ-साथ समाज की विभिन्न समस्याओं में मार्ग-दर्शन की भूमिका निभाकर एक अच्छी सेवा दे सकते हैं।

आज हम जिन परिस्थितियों में रह रहे हैं उस परिस्थिति में हमें संगठित होना आवश्यक है तभी राजनीतिक एवं सामाजिक दृष्टि से हम अपने अधिकारों की रक्षा कर पाएंगे एवं आने वाली पीढ़ी का भविष्य सुनिश्चित व सुरक्षित कर पाएंगे।

– विजय कुमार शर्मा
नलबाड़ी, असम

गुरुदेव री गीतांजळि रो राजस्थानी में काव्यानुवाद

चावा-ठावा कवि अर गीतकार इकराम राजस्थानी बरसां तांई आकाशवाणी सूं जुड़्या रैया अर आप स्टेशन डायरेक्टर पद सूं सेवानिवृत्त हुया। साहित्य, संगीत, कला अर संस्कृति सूं आपरो गैरो लगाव अर जुड़ाव रैयो है। अनुवाद रै क्षेत्र में ई आपरी न्यारी-निरवाळी ठौड़ राखै। आखै मुलक में आप पैला अनुवादक हो जिका पवित्र कुरान शरीफ रो राजस्थानी अर हिंदी में काव्यात्मक भावानुवाद करियो अर वीं रो लोकार्पण राष्ट्रपति भवन में उप टैम रा मानीता राष्ट्रपति डॉ. शंकर दयाल शर्मा करियो। हज़रत शेख सादी री जग चावी पोथी 'गुलिस्तां' रो पैलो राजस्थानी अनुवाद ई आप करियो। विश्वकवि रवींद्रनाथ टैगोर री १५० वीं जयंती रै मंगळ मौकौप नोबेल पुरस्कार सूं आदरीजी जगचावी काव्य-कृति 'गीतांजळि' रो राजस्थानी में दोहा रूप पैलो अनुवाद करनै जस कमायो। इण अनुवाद पोथी रो लोकार्पण विश्वकवि री जलम भोम पश्चिम बंगाल में करीज्यो।

अनुवाद रो काम मौलिक सिरजणा सूं ई घणो मुस्कल हुआ करै। सखरो अनुवाद बो मानीजै जिकै में मूळ भासा री आतमा रो वासो बण्यो रैवै अर सागै-ई-सागै अनुवाद री भासा री सुवास महकती रैवै। अनुवाद नै तद ई तो अनुसिरजण कैवां। मूळ अर अनुवाद, दोनूं भासावां में गैरी पैठ राख्यां ई सखरो अनुवाद करियो जाय सकै। काव्य विधा रो अनुवाद करणो किणी चैलेंज सूं कमती नीं हुवै। कविता मांय तो न्यारै न्यारै भावां, छंद नै साथ'र लय नै साधणी हुवै। मूळ कविता री आतमा रो ध्यान राखणो घणो जरूरी हुवै। विश्व गुरु रवींद्रनाथ टैगोर री कवितावां रो अनुवाद करणो, अर बो ई दोहा शैली में, कित्तो अबखो काम हो पण इकराम राजस्थानी री पोथी 'अंजळी गीतां री' बांचतां इयां लखावै जाणै खुद गुरुदेव राजस्थानी में ई आ रचना लिखी हुवै। अनुवाद बाबत इकराम साब सही कैयो है कै 'कारज कठिन हो, पण आभारी हूं, गुरुदेव रवींद्रनाथ रो, जिका म्हारो हाथ पकड़'र गीतांजळि रो काव्यानुवाद करवा लियो। पल छिण इयां लागतो रैयो जियां बां री आतमा म्हारै नजीक है अर बा खुद म्हासूं लिखा रैयी है।'

संसार री कित्ती ई भासावां में गीतांजळि रा अनुवाद हुय चुक्या है अर हुय रैया है पण अनुवाद रै मारफत राजस्थानी भासा रै लाखूं लोगां तांई गीतांजळि पूगावण रो ओ काम आपां सगला सारू गीरबैजोग है। पोथी अरपण ई गुरुदेव नै करी है – गुरुदेव को नाम तो/ बड़ो रवींदर नाथ/ मेहर हुई इकराम पै/ पकड़्यो म्हारो हाथ/ बंगला में गीतांजळी/ हिंदी में विसराम/ राजस्थानी मायनै/ अब गावै इकराम।।

गुरुदेव सारू ओ समरपण ई है जिको इत्तो सांतरो काव्यानुवाद करवा दियो है। इण पोथी री खास बात आ है कै हरेक गीत अर कविता साथै वीं रै भाव-विचारां अनुरूप चितराम हुवण सूं पाठक री रागात्मकता बध जावै। इण रै साथै ई राजस्थानी काव्यानुवाद रो हिंदी में अरथाव दियो हुवण सूं राजस्थानी साथै हिंदी पाठकां नै ई रस आवैला। दाखलै सरूप एक गीत – मैं तो चाल्यो एकलो/ था सूं मिलनै, नाथ!/ घोर अंधेरा मांयनै/ यो कुण होग्यो साथ?/ अहंकार मेरो है यो/ मस्त चाल रयो लार/ ई निरलज नै साथ लै/ कैंया पहुंचूं द्वार। इण रो हिंदी उल्थो इण भांत है – तुझसे मिलने के लिए मैं अकेला ही निकला था। फिर यह कौन है जो इस गहन अंधियारे में मेरे पीछे-पीछे चला आ रहा है। मेरे मालिक! यह तो मेरा ही अहंकार है – बेशर्म घमंड! तेरे द्वार पर आने में मेरी लज्जा की सीमा नहीं है। कित्तो भावपूर्ण अनुवाद है। साक्षात परमात्मा सूं बंतळ। अहंकार सूं मुगत हुयां ई परमात्मा सूं आत्मा रो मिलाप हुय सकैला। हरेक रचना इण भांत पाठकां रै हियै तांई पूगै, आ ई अनुवाद री सार्थकता अर सफलता हुवै है।

छेकड़ में 'नोबल' अर 'गीतांजळि' नै लेयर सांतरी काव्य रचना है – थे 'नोबल' परिवार का/ नोबल थांको काम/ सारो जग भी जाणग्यो/ नोबल दियो इनाम। इकराम राजस्थानी जी गुरुदेव री गीतांजलि रो राजस्थानी में काव्यानुवाद करनै सरावण जोग काम करियो है। बां नै घणा घणा रंग।

– बुलाकी शर्मा
मो. ९४१३९३९९००

श्रद्धांजलि

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की आरा शाखा के स्तंभ प्रसिद्ध समाजसेवी श्री विष्णु कुमार गोयनका जी का निधन दिनांक १५ अप्रैल २०२३ को आरा में हो गया। पूरा सम्मेलन परिवार उनके चरणों में अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

मेरे माधव...

*सोऊँ तो सुपणै दिखै,
जो कोई बजा रहयो है चंग*
*भगताँ सागै मिल रह्यो,
कोई उडा रह्यो है रंग*
*फागणियो आग्यो,
झाला देवै है म्हारो साँवरो*
*म्हानै हिचकी आवै,
छाजै पर बोलै कालो कागलो*
*म्हानै श्याम बुलावै,
याद करै है म्हारो साँवरो।।*
राधे-राधे

होळी आई ये सखी

होळी आई ये सखी होळी आई
कद आवैला सायबा, तू बो तो क्यूं बोल।
होळी आई ये सखी होळी आई

चुग-चुग ल्याई टेसूड़ा, हाथां बणा गुलाल
हाथ प्रीत रा रंग सूं, म्हे बी रंग ल्यां लाल।
लाल रंग सिर पै चढ़्यों, चालू मधरी चाल..
फागणिये रै रंग रंगी, हाथां मेहंदी लाल।
खणकै चुड़लो पायली बिछियां से रमजोळ
खेलूं किण संग मैं बता, ऐ सखी! क्यूं बोल
होली आई ये सखी होली आई।।

कंवळ खिल्या मन मैं सखी, मन भर्या प्रेम रो ताळ
तिरती जळ री माछरी, क्यूं फंसी प्रेम रै जाळ।
लांबो सार्यो घूंघटो, ओढ़ूं चूनर ल लालू
नैन छवि है पीव री, गालां रो रंग लाल
उण संग म्हारी प्रीत रो, मत ना आंकै मोल
खेलूं किण संग मैं बता, ऐ सखी! क्यूं बोल
होळी आई ये सखी होळी आई।।

आय गया सखी सायबा, ज्यूं उड़तो रंग गुलाल
रंग दीन्या अंग-अंग, सखी प्रीत रंग सूं लाल
चूनर ओढ़ूं प्रीत री, सोवै सिंदूर बी लाल।
ल्याया नथली सायबा, बिच-बिच हीरा लाल
माथै दमकै लाज री, म्हारै टीकी लाल।
मोत्यांरी माळा गळै, लागै घणी कमाल
कंठ मेरै सोवै सखी, में मोत्या बिचली लाल।
देख पिया नै बोल द्यूं, मैं बी मीठा बोल
खेलूं पी संग होळी मैं, तू ना आंख्यां खोल।
होळी आई ये सखी होळी आई।
रंग ल्याई ये सखी होळी आई।।

- सुनीता बिश्नोलिया

होळी

प्रेम रंग में रंग जावां,
ई बार होळी में
आओ सबने रंग लगावां,
ई बार होळी में।

सुंदर सो संसार आपणो,
फूलां सो महकावां,
रंगां रे उल्लास स्यूं,
काळजे मिठास घुळावां।

चोफेर हो खुशियां
इसो जग में नूर भरै,
भेदभाव ना होवे कठै,
नफरत री दीवारां हटै।

सद्धाव स्यूं पूर्ण हो जीवण,
मन शांति रो धाम होवे,
ना? कठै हो मारामारी,
हर युद्ध पर विराम होवै।

हो थारो म्हारो नहीं अठै,
सारो आपणो होवै,
कोकिल मींठी वाणी में,
ज्यों घोळी अमृतधार होवै।

प्रेम रंग में रंग जावां,
ई बार होळी में,
आओ सबने रंग लगावां,
ई बार होळी में।

- कौसर भुट्टो

पुस्तक समीक्षा

सरला देवी : एक सशक्त महिला

महात्मा गांधी ने अपने अखबार 'नवजीवन' में सरलादेवी चौधरानी के नाम से टिप्पणी इस प्रकार छापी थी - "सरलादेवी कई दिनों से अहमदाबाद में हैं, इसलिए नवजीवन के पाठकों को उनका परिचय देना अनुचित नहीं है। उच्च शिक्षित, समाजसेविका, रबींद्रनाथ ठाकुर की भांजी, कांग्रेस के भूतपूर्व सेक्रेटरी घोषालबाबू की पुत्री, पंजाब के नेता रामभज दत्त चौधरी की पत्नी। बांग्ला पत्रिका 'भारती' का संपादन, स्वयं कविता लिखना, बंगाल में व्यायाम समितियों का गठन और प्रथम विश्वयुद्ध के समय बंगालियों को सेना में भर्ती होकर कर्तव्य निभाने का आह्वान।"

यह परिचय अति संक्षेप में था। उनकी परवरिश एवं बाद में उनकी उपलब्धि के बारे में जानकार निश्चय ही गर्वानुभूति होती है, खासकर यह समझकर कि उनके समकालीन स्त्रियों को जिस प्रकार दबाया जा रहा था।

समाज की लब्ध प्रतिष्ठित कथाकार सुश्री अलका सरावगी के सद्यः प्रकाशित पुस्तक **"गांधी और सरलादेवी चौधरानीः बारह अध्याय"** में उनके बहुमुखी प्रतिभा के विषय में बारीकी से बताया गया है। उनकी इसी प्रतिभा ने उस समय के राष्ट्र के जनक गांधी को भी अंतरंग भाव से आकृष्ट कर लिया था। गांधी पर उनका जादू इस कदर था कि गांधी लाहौर में उनसे मिलने के बाद में करीब एक वर्ष तक उनके साथ लगातार पत्राचार करते रहे। उन पत्रों की भाषा, भाव एवं विषय एक प्रकार से सरलादेवी के गुणों के प्रभाव को ही अनेकानेक रूप से व्यक्त करते हैं। एक उच्च शिक्षित घराने की उच्च शिक्षित महिला एवं व्यापक राष्ट्रीय उद्देश्य के लिए अपने जीवन को न्यौछावर करने की इच्छा सरलादेवी को विशिष्टता प्रदान करती है, जिसकी व्यापक स्वीकृति उस समय तो नहीं मिल पायी। लेकिन पाठकों को पुस्तक के अंत में इस बोध का अहसास होने लगता है। एक ही नहीं अपने अखबार 'नवजीवन' में सरलादेवी के बारे में गांधी जी ने कई बार लिखा। सरला की हँसी, उनके व्यक्तित्व में आई निखार से प्रभावित होकर गांधी कहते हैं – "तुम्हारी हँसी राष्ट्र की धरोहर है।" अपने पत्रों में गांधी लिखते है – "सरला तुमने मेरे हृदय में एक ऐसी शून्यता छोड़ दी है जिसको मैं भर नहीं पाता।... अब तुम्हारे बिना मेरा काम नहीं चल सकता।"

माई डियर सरला, माई डियरेस्ट सरला का संबोधन। प्रस्तुत उपन्यास पूर्ण रूप से सरलादेवी चौधरानी की कहानी को परत-दर-परत उनके वैशिष्य से पाठकों को रूबरू करवाती है। १९वीं शताब्दी के अंत में एवं बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में जहाँ देश में स्त्रियां परदे से बाहर निकलने के लिए संघर्ष कर रही थीं, सरलादेवी जैसी बौद्धिक रूप से परिपक्व, विलक्षण गुण सम्पन्न नारी के बारे में जानकर उनके प्रति श्रद्धा का भाव जागृत होता है। गांधी, सरला को पत्रों की झड़ी लगा देते हैं। सरलादेवी को उन पत्रों में गांधी अपने मुताबिक ढालने की हिदायतें देते हैं। पत्रों में व्यक्त किए गए विचारों एवं आदेशों से उत्पन्न सरला के मन में उठते-बैठते भावों के उहापोह को सुंदर ढंग से पिरोकर इस पुस्तक की संरचना की गई है। यह एक आश्चर्य की बात है कि देश के महानायक गांधी जी देश की धड़कन सरलादेवी के गुणों के दीवाने हो गए थे। उन्हें सरलादेवी में अपार संभावना दिखने लगी थी। उन संभावनाओं को वे देश की आजादी की लड़ाई में प्रयोग करना चाहते थे। भावों में गांधी इतना बह गए थे कि सी. राजगोपालाचारी को लगा की गांधी लक्ष्मण रेखा लांघ रहे हैं; उन्होंने गांधी को आगाह किया। उधर सरलादेवी, गांधी के विचारों से शत-प्रतिशत तादात्म नहीं बैठा पा रही थीं। दोनों के सोच एवं लक्ष्य में अंतर सतह पर दिखने लगा था। गांधी एक पत्र में सरला से पूछते है - "तुम्हारे पास योग्यता है, तुम्हारे पास दृष्टि है, पर क्या तुम्हारे अंदर संकल्प है?" गांधी के प्रश्न सरलादेवी को सोचने पर मजबूर करते हैं। गांधी उनसे हर एक कार्य करवाना चाहते है, जिसमें सरलादेवी की कोई रुचि नहीं है।

गांधी के अनगिनत पत्रों में से लगभग अस्सी पत्र अभी उपलब्ध हैं। सरलादेवी के लिखे चार-पाँच पत्र ही बचे हैं। उन पत्रों में व्यक्त किए गए शब्दों, विचारों, भावों एवं तथ्यों को आधार बनाकर हिंदी की बड़ी लेखिका अलका सरावगी ने अपने सृजनात्मक कौशल्य से पुस्तक की संरचना में सरलादेवी के पक्ष को बखूबी रखा है। साथ ही सरलादेवी एवं गांधी के प्रगाढ़ अल्पकालीन संबंध की गहराई पाठकों को अचंभे में डाल देती है। निश्चय ही हिंदी पाठकों के लिए यह विशिष्ट जानकारी है। पुस्तक सरलादेवी की होकर भी गांधी की उपस्थिति कथानक को पाठकों के लिए आकर्षक एवं रोचक बनाती है।

पुस्तक में सरलादेवी स्वतंत्र विचारों वाली प्रतिभा संपन्न, सुंदर एवं सुरुचिपूर्ण महिला के तौर पर उभरकर आती हैं। गांधी ने उनको प्रभावित भी किया पर गांधी जिस प्रकार की पूर्ण स्त्री उन्हें बनाना चाहते थे, उसमें उनकी कोई रुचि नहीं थी। सरलादेवी नारी सशक्तिकरण की आदर्श उदाहरण थीं। वे अपने पथ एवं हक चयन करने के अधिकार का समर्पण करने को तैयार नहीं थी। महिला होने का खामियाजा उन्होंने बौद्धिक स्तर पर भोगा। ऐसे कई उदाहरण आते हैं जब जीवन में उन्हें कई बार अपनी इच्छाओं एवं वास्तविकता से समझौता करना पड़ा।

१९३१ में उन्होंने एक सभा में स्त्रियों के लिए अलग कांग्रेस की मांग करते हुए कहा था "स्त्रियाँ अनुभव करती हैं कि इंडियन नेशनल कांग्रेस ने उनकी प्रतिभा, उनकी बुद्धिमत्ता और कार्य-कुशलता की अनदेखी कर उन्हें कौंसिल हाल एवं कमिटियों से दूर रखा है।" इसी भाषण के अंत में उन्होंने कहा था – "कांग्रेस ने औरतों को कानून भंग करने के लिए आगे रखा है, पर कानून बनाने की जगह से उन्हें दूर रखा है।"

पुस्तक इतिहास एवं सत्य घटनाओं पर आधारित होकर भी, लेखिका ने जिस प्रकार से सूत्रों को सार्थकता के साथ पुस्तक के रूप में पिरोया है, आशा की जा सकती है कि हिंदी पाठक स्वतंत्रता आंदोलन के पृष्ठभूमि पर धारा के विरुद्ध तैरनेवाली विदुषी महिला के जीवन के माध्यम से एक महत्वपूर्ण समय के वास्तविकताओं से रूबरू होने में अपनी रुचि दिखाएंगे। मैं समझता हूँ कि बांग्ला भाषा के पाठकों के लिए भी विषय रोचक रहेगा। अतः इसके बांग्ला अनुवाद की भी प्रतीक्षा रहेगी।

शिव कुमार लोहिया

(पुस्तकः **गांधी और सरलादेवी चौधरीः बारह अध्याय**
लेखिकाः **अलका सरावगी** प्रकाशकः **वाणी प्रकाशन** मूल्यः २९९/-)

देव-स्तुति

[गतांक से आगे]

– डॉ. जुगल किशोर सर्राफ

अव्याकृतविहाराय सर्वव्याकृतसिद्धये।
ऋषिकेश नमस्तेऽस्तु मुनये मौनशीलिने।।

हे इन्द्रियों के स्वामी, ऋषिकेश, हम आपको सादर नमस्कार करते हैं क्योंकि, आपकी लीलाएँ अचिन्त्य रूप से महिमामयी हैं। आपके अस्तित्व को समस्त दृश्य जगत के लिए स्रष्टा तथा प्रकाशक की आवश्यकता से समझा जा सकता है। यद्यपि, आपके भक्त आपको इस रूप में समझ सकते हैं किंतु, अभक्तों के लिए आप आत्मलीन रह कर मौन बने रहते हैं।

परावरगतिज्ञाय सर्वाध्यक्षाय ते नमः।
अविश्वाय च विश्वाय तद्द्रष्ट्रेऽस्य च हेतवे।।

उत्तम तथा निकृष्ट समस्त वस्तुओं के गंतव्य को जाननेवाले तथा समस्त जगत के अध्यक्ष नियंता आपको हमारा नमस्कार। आप इस ब्रह्मांड की सृष्टि से पृथक हैं फिर भी आप वह मूल आधार हैं जिस पर भौतिक सृष्टि की माया का विकास होता है। आप इस माया के साक्षी भी हैं। निस्संदेह आप अखिल जगत के मूल कारण हैं।

त्वं ह्यस्य जन्मस्थितिसंयमान्विभो
गुणैरनीहोऽकृतकालशक्तिधृक्।
तत्तत्स्वभावान्प्रतिबोधयन्सतः
समीक्षयामोघविहार ईहसे।।

हे सर्वशक्तिमान प्रभु, यद्यपि आपके भौतिक कर्म में फँसने का कोई कारण नहीं है, फिर भी आप इस ब्रह्मांड के सृजन, पालन तथा संहार की व्यवस्था करने के लिए अपनी शाश्वत कालशक्ति के माध्यम से कर्म करते हैं। इसे आप सृजन के पूर्व सुप्त पड़े प्रकृति के प्रत्येक गुण के विशिष्ट कार्य को जाग्रत करते हुए संपन्न करते हैं। ब्रह्मांड-नियंत्रण के इन सभी कार्यों को आप खेल-खेल में केवल अपनी चितवन से पूर्णतया संपन्न कर देते हैं।

अपराधः सकृद्भर्त्ता सोढ़व्यः स्वप्रजाकृतः।
क्षन्तुमर्हसि शान्तात्मन्मूढस्य त्वामजानतः।।

स्वामी को चाहिए कि अपनी संतान या प्रजा द्वारा किए गए अपराध को कम से कम एक बार तो सहन करें। अतः हे परम शांत आत्मन, आप हमारे इस मूर्ख पति को क्षमा कर दें जो यह नहीं समझ पाया कि आप कौन हैं।

विधेहि ते किङ्करीणामनुष्ठेयं तवाज्ञया।
यच्छ्रद्धयानुतिष्ठन्वै मुच्यते सर्वतो भयात्।।

अब कृपा करके अपनी दासियों को बतलाएँ कि हम क्या करें। वह निश्चित है कि जो भी आपकी आज्ञा को श्रद्धापूर्वक पूरा करता है, वह स्वतः सारे भय से मुक्त हो जाता है।

इन्द्र उवाच

तवावतारोऽयमधोक्षजेह।
भुवो भराणामुरुभारजन्मनाम्।
चमूपतीनामभवाय देव
भवाय युष्मच्चरणानुवर्तिनाम्।।

हे दिव्य प्रभु, आप इस जगत में उन सेनापतियों को विनष्ट करने के लिए अवतरित होते हैं, जो पृथ्वी का भार बढ़ाते हैं और अनेक भीषण उत्पात मचाते हैं। हे प्रभु, उसी के साथ-साथ आप उन लोगों के कल्याण के लिए कर्म करते हैं, जो श्रद्धापूर्वक आपके चरणकमलों की सेवा करते हैं।

नमस्तुभ्यं भगवते पुरुषाय महात्मने।
वासुदेवाय कृष्णाय सात्वतां पतये नमः।।

सर्वव्यपी तथा सबों के हृदयों में निवास करने वाले हे परमात्मा, आपको मेरा नमस्कार। हे पदकुलश्रेष्ठ कृष्ण, आपको मेरा नमस्कार।

स्वच्छन्दोपातदेहाय विशुद्धज्ञानमूर्तये।
सर्वस्मै सर्वबीजाय सर्वभूतात्मने नमः।।

अपने भक्तों की इच्छा के अनुसार दिव्य शरीर धारण करने वाले, शुद्ध चेतना रूप, सर्वस्व, समस्त वस्तुओं के बीज तथा समस्त जीवों के आत्मा रूप आपको मैं नमस्कार करता हूँ।

सुरभिरुवाच

कृष्ण कृष्ण महायोगिन्विश्वात्मन्विश्वसम्भव।
भवता लोकनाथेन सनाथा वयमच्युत।।

हे कृष्ण, हे कृष्ण, हे योगियों में श्रेष्ठ, हे विश्व की आत्मा तथा उद्गम, आप विश्व के स्वामी हैं और हे अच्युत, आपकी ही कृपा से हम सबों को आप जैसा स्वामी प्राप्त हुआ है।

नमस्तुभ्यं भगवते ब्रह्मणे परमात्मने।
न यत्र श्रूयते माया लोकसृष्टिविकल्पना।।

हे पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान, परम सत्य परमात्मा मैं आपको नमस्कार करता हूँ; आपके भीतर इस सृष्टि को अपने अनुरूप बनाने वाली माया-शक्ति का लेशमात्र भी नहीं है।

पतित्वेन श्रियोपास्यो ब्रह्मणा मे पितेति च।
पितामहतयान्येषां त्रिदशानां जनार्दनः।।

लक्ष्मी जी भगवान जनार्दन को अपने पति के रूप में पूजती हैं, ब्रह्मा जी उन्हें अपने पिता के रूप में पूजते हैं और अन्य देवता उन्हें अपने पितामह के रूप में पूजते हैं।

COMPLETE ELECTRICAL SOLUTION
ELECTRICAL WIRES
FANS AND LIGHTS
LT PANEL, CABLE TRAY AND TRANSFORMER
WE MANUFACTURE
POWER TRANSFORMER
DISTRIBUTION TRANSFORMER
LT ELECTRICAL PANEL
PERFORATED CABLE TRAY
LADDER-TYPE CABLE TRAY
GARODIA ENTERPRISES
AARNAV POWERTECH
MARKET ROAD EAST, UPPER BAZAR
RANCHI - 834 001, JHARKHAND
www.aarnavpowertech.com
garodia@garodiagroup.com
0651-2205996

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2021-2023
Date of Publication - 24 April 2023
RNI Regd. No. 2866/1968

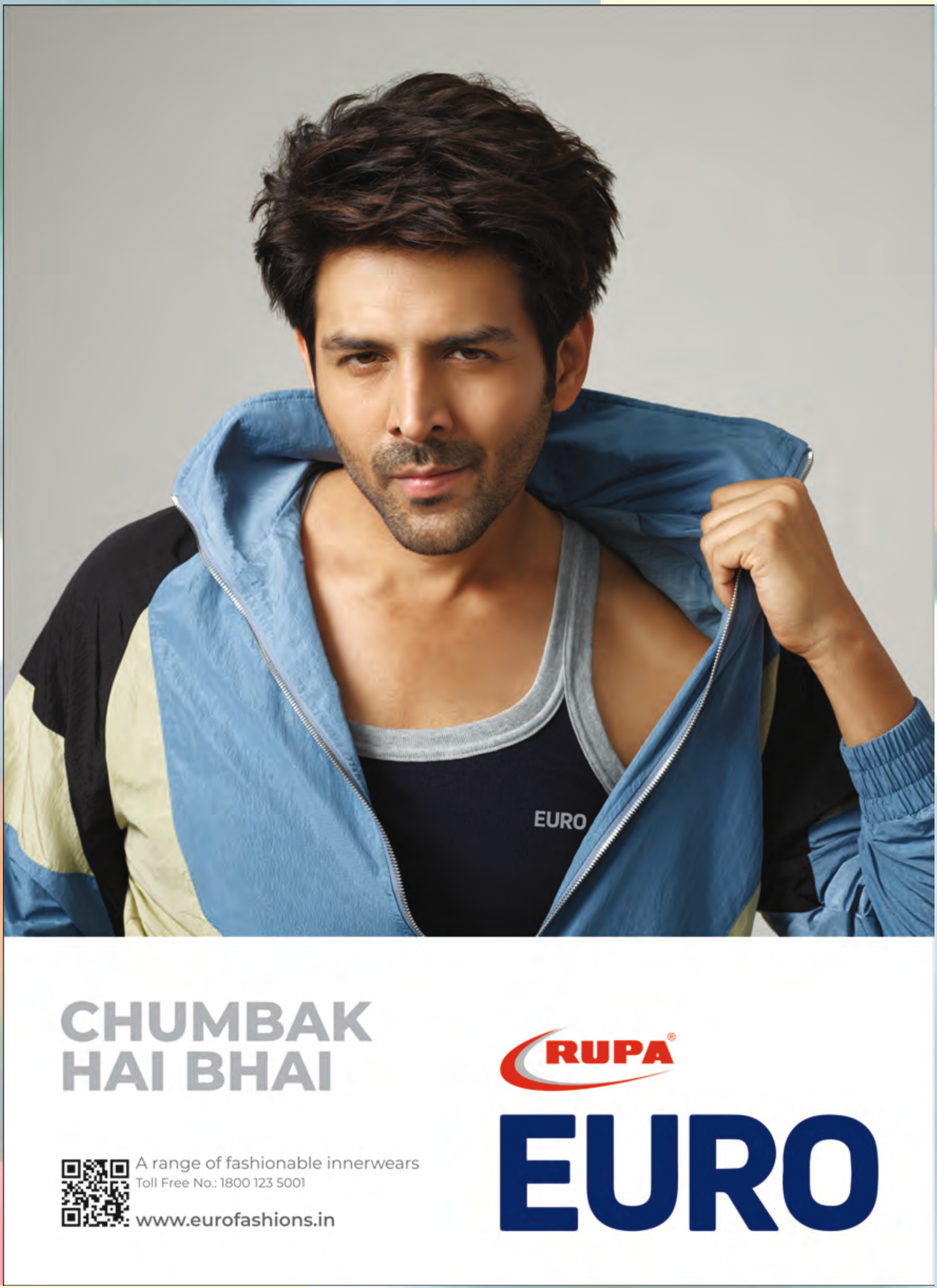

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com